15-04-2025 ISN:Layout 1 4/15/2025 7:26 AM Page 1

मौसम
दिल्ली/एनसीआर
अधिकतम ता. 31.0°C
न्यूनतम ता. 19.0°C

दैनिक
इंडिया सावधान न्यूज

RNI No. : UPHIN/2016/71004
www.indiasavdhan.com
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र

वर्षः 08 अंकः 100, मंगलवार15 अप्रैल, 2025 पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित, लखनऊ, दिल्ली, मुम्बई, हरियाणा से एक साथ प्रसारित

4-सीएम योगी भीम नगरी का करेंगे उद्घाटन मंच से पीडीए की धार करेंगे कुंद

सुशासन की पहली शर्त है रूल ऑफ लॉ, समयबद्ध और सहज न्याय सरकार की प्राथमिकता: सीएम योगी

लखनऊः सुशासन की पहली शर्त है रूल ऑफ लॉ। यह समयबद्ध, सहज और सरल हो और एक कॉमन मैन के साथ सामान्य कार्मिक वहां तक पहुंच बना सके। उसकी समय पर सुनवाई और मेरिट के आधार पर मामलों का निस्तारण हो, यह जरूरी है। आज का दिन हम सभी के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण क्योंकि भारत के संविधान के शिल्पी बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की पावन जयंती को दलित, वंचित और समाज के उपेक्षित वर्ग को न्याय दिलाने के महामानव के रूप में मनाते हैं। इस-ाको लेकर सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है। हमारे न्यायालय में बहुत मामले लंबित पड़े हुए हैं। इन लंबित मामलों के लिए कोर्ट के अनावश्यक समय को जाया ना करना पड़े, इसके लिए ट्रिब्यूनल के स्तर पर मामलों की अलग से सुनवाई हो। इस मंशा के अनुरूप ट्रिब्यूनल ने देश में अलग-अलग क्षेत्रों में कार्य करना प्रारंभ कर दिया है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) लखनऊ खंडपीठ के उद्घाटन कार्यक्रम में कही। इस दौरान केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

मेरिट के आधार पर न्याय प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ट्रिब्यूनल समयबद्ध तरीके से संबंधित पक्षों को मेरिट के स्तर पर न्याय प्रदान कर सके, यह सरकार की प्राथमिकता में है। कैट की भूमिका भी ऐसी ही है। केंद्रीय सरकार से जुड़े हुए विभिन्न सरकारी उपक्रम और शासकीय व्यवस्था से जुड़े हुए अधिकारियों और कार्मिकों को किसी स्तर पर न्याय नहीं मिल पाया, उनके लिए प्लेटफॉर्म देने और समय पर न्याय देने में कैट महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि फुल बेंच हो या सर्किट बेंच अगर उनके पास कोई भी संसाधन नहीं है तो वहां दूसरों को न्याय प्रदान करने के लिए कितने एग्रेसिव तरीके से अपने कार्य को आगे बढ़ा पाएंगे, इसकी सहज कल्पना की जा सकती है। आज यहां पर 16 जनपदों के केंद्रीय कार्मिकों के लिए कैट की व्यवस्था की गई है। यहां शानदार भवन बना करके तैयार हो गया है।

मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप किसी मजबूरी में कार्मिकों यहां आना पड़ा तो उन्हे न्याय उपलब्ध कराने में कैट महत्वपूर्ण भूमिका का निर्माण करेगा।

पिछले 10 वर्षों में लखनऊ पीठ ने 6 हजार से अधिक मामलों को किया निस्तारण

सीएम ने कहा कि वर्ष 2014 से 2025 के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप लखनऊ पीठ ने 10 वर्षों में कुल 6,700 मामलों में से 6,000 से अधिक मामलों का निस्तारण किया है, इस-ाको अभी और तेज किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बहुत सारे मामलों में दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठा कर सुना जाए तो ऐसे ही बहुत सारे मामलों का निस्तारण हो सकता है। प्रदेश में वर्ष 2017 में राजस्व के 33 लाख मामले लंबित थे। इन बहुत सारे छोटे मामले थे। इस पर सरकार ने इन मामलों को मेरिट के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिये। इन मामलों को लेकर टाइम बाउंड किया गया।

यूक्रेन में भारतीय दवा गोदाम पर रूस का मिसाइल अटैक

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन पर शनिवार को रूसी मिसाइल हमले में एक भारतीय फार्मास्यूटिकल कंपनी कुसुम के गोदाम में आग लग गई। भारत में स्थित यूक्रेनी दूतावास ने आरोप लगाया कि रूस ने जानबूझकर राजधानी कीव में भारतीय गोदाम को निशाना

बनाया है। यूक्रेनी दूतावास ने कहा- आज रूस ने यूक्रेन में भारतीय कंपनी कुसुम के गोदाम पर मिसाइल से हमला किया। भारत के साथ खास दोस्ती का दावा करने वाला रूस जानबूझकर भारतीय कंपनियों पर हमला कर रहा है। गोदाम में बुजुर्गों-बच्चों की जरूरी दवाइयां थीं। रूसी हमलों ने एक प्रमुख फार्मा कंपनी के गोदाम को तबाह कर दिया।

जयपुर और बिजनौर में रविवार की काली सुबह

जयपुर (एजेंसी)। रविवार का दिन दो राज्यों के लिए बेहद दुखद रहा। राजस्थान और उत्तर प्रदेश में हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में सात लोगों की जान चली गई। मृतकों में एक ही परिवार के पांच सदस्य और दो सगे भाई

शामिल हैं। राजस्थान के जयपुर जिले में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ। रायसर थाना क्षेत्र में मनोहरपुर-दौसा राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक कार और ट्रेलर की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में कार सवार एक ही परिवार के पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा नेकावाला टोल के पास सुबह करीब आठ बजे हुआ।

किश्तवाड़ एनकाउंटर के बाद बरामद सामान पर पाकिस्तान का पता

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में 11 अप्रैल की देर रात को हुए मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया था। जिसके बाद से जारी सर्च ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने शनिवार को 14 राइफल, 2 एके 47 राइफल, 11 मैगजीन, 65 एमएम 4 गोलियां और एके 47 की 56 गोलियां, साथ ही टोपी, दवाइयां, प्राथमिक

उपचार सामग्री और मोजे बरामद किए हैं। दवाओं पर पाकिस्तान और लाहौर का पता लिखा है। अधिकारियों के अनुसार मारे गए तीनों आतंकी जैश-ए-मोहम्मद के थे। इनमें टॉप कमांडर सैफुल्लाह भी शामिल था। वहीं, जम्मू-जिले के अखनूर में शनिवार को एक मुठभेड़ में 9 पंजाब रेजीमेंट के जेसीओ कुलदीप चंद शहीद हो गए थे। यहां शुक्रवार देर रात एनकाउंटर शुरू हुआ था।

सहकारी समितियां अब पेट्रोल पंप चलाएंगी, गैस भी बांटेंगी

- भोपाल में अमित शाह बोले-एमपी में हैं काफी संभावनाएं
- सांची दुग्ध संघ और एनडीडीबी के बीच हो गया एमओयू

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह भोपाल के रवींद्र भवन में आयोजित राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान मध्यप्रदेश दुग्ध संघ और नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) के बीच एमओयू हुआ। इसके साथ ही एमपी के छह दुग्ध संघों और एनडीडीबी के बीच छह अलग-अलग एमओयू भी किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की। इस दौरान सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, पशुपालन-डेयरी विकास मंत्री लखन पटेल के साथ-साथ नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड और मध्यप्रदेश के सहकारिता, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि देश में सहकारी समितियां अब पेट्रोल पंपों का संचालन करेंगे और रसोई गैस का वितरण भी संभालेंगी। शाह ने कहा कि सहकारिता सेक्टर में मध्य प्रदेश में काफी संभावनाएं हैं, जिस पर काम करने की जरूरत है। इससे पहले स्टेट हैंगर पर शाह का स्वागत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने किया।

इसके बाद शाह का काफिला रवाना होकर सीएम हाउस पहुंचा, जहां शाह ने सीएम मोहन यादव और उनके साथी मंत्रियों के साथ लंच किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा- मध्य प्रदेश के अंदर कृषि, पशुपालन और सहकारिता क्षेत्र में अधिक संभावनाएं हैं। मैं मानता हूं कि हमें हमारी संभावनाओं का शत प्रतिशत दोहन करने के लिए ढेर सारा काम करने की जरूरत है। अमित शाह ने कहा कि ग्रामीण विकास और कृषि विकास के आयाम, पशुपालन के आयाम, इन सबको एक जगह पर रखकर केंद्रीय स्तर पर कोई विचार नहीं किया। विचार होता भी कैसे। कोई सहकारिता मंत्रालय ही नहीं था। आजादी के 75 साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने सहकारिता मंत्रालय बनाकर मुझे मंत्री बनाया। मोहन जी कह रहे हैं उन्हें आश्चर्य हुआ तो थोड़ा मुझे भी आश्चर्य हुआ। साढ़े तीन साल के समय में मोदी जी ने खुद बहुत बारीकी से देखकर सहकारिता आंदोलन में बड़ा बदलाव लाने का काम किया।

सीएम ने कहा- किसानों की जिंदगी बेहतर बनाएंगे

सीएम ने कहा कि हजारों साल से ऐसा माना जाता था कि हमारे देश में दूध की नदियां बहती थीं। लेकिन गाय माता के दूध के मामले में तो बहुत सावधानी से बोलने की बात थी। मतलब गाय का दूध ही नहीं लेते थे। जब यह बात आ गई कि सिर्फ गाय, भैंस का दूध खरीदेंगे। गाय का दूध खरीदने में हाथ जोड़ते थे। यह बात अलग है की दूध में पानी मिलाकर चला दे, लेकिन कोई दूध उत्पादक घर से गाय का दूध लेने जाए तो गाय का दूध नहीं खरीदते थे। सरकार गौ माता का दूध खरीदेगी और किसानों की जिंदगी बेहतर बनाएगी। सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा कि अंबेडकर जयंती पर हमने कामधेनु गोपालन योजना को शुरू की है। कल सेवा योजना शुरू हो जाएगी। यदि कोई 25 गौ माता पालेगा तो उसे 25 फीसदी अनुदान दिया जाएगा। हमारे कृषि विकास दर में अद्भुत पहचान बनी है, लेकिन दूध उत्पादन 9 फीसदी से बढ़ाकर 24 फीसदी करना है।

माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से सोमवार को उनके सरकारी आवास में माननीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री, भारत सरकार डॉ. जितेंद्र सिंह जी ने शिष्टाचार भेंट की।

वक्फ बिल पर बवाल, उबल पड़ा बंगाल

- टीएमसी सांसद यूसुफ पठान ने चाय पीते फोटो पोस्ट की
- भाजपा का आरोप- हिंदुओं के कत्लेआम का मजा ले रहे

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। वक्फ कानून के विरोध में शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद, नॉर्थ 24 परगना, हुगली और मालदा जिलों में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। वाहनों को आग लगाई और दुकानों-घरों में तोड़फोड़ कर लूट भी की गई। अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। 15 पुलिसकर्मी घायल हैं। 150 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल के हिंसाग्रस्त इलाकों में 1600 जवान तैनात किए हैं। 300 के करीब सीआरपीएफ जवान हैं। कुल 21 कंपनियां की तैनात की गई हैं। हिंसाग्रस्त वाले इलाकों में इंटरनेट

बैन है। धारा 144 भी लागू है। राज्य में वक्फ कानून के विरोध में 10 अप्रैल से हिंसा जारी है। इस बीच टीएमसी सांसद और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान ने चाय पीते हुए पोस्ट शेयर की, जिस पर विवाद हो रहा है। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा- बंगाल जल रहा है। पुलिस चुप है। इन सबके बीच सांसद यूसुफ पठान चाय की चुस्की लेते हुए हिंदुओं के कत्लेआम के पल का आनंद ले रहे हैं। इधर, नए वक्फ कानून को लेकर दिल्ली में जमीयत उलेमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति की बैठक शुरू हो गई है। वहीं असदुद्दीन ओवैसी ने आज कहा- वक्फ कानून असंवैधानिक है। बीजेपी वक्फ बोर्ड पर कब्जा करना चाहती है। वक्फ कानून से किसी की भलाई नहीं होगी।

केंद्रीय गृह सचिव ने मुख्य सचिव-डीजीपी से की बात

केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने मुर्शिदाबाद हिंसा पर पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव और डीजीपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की। उन्होंने जल्द से जल्द सामान्य स्थिति सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कदम उठाने को कहा। एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) जावेद शमीम ने कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया- आज (शनिवार) की घटना का ब्योरा अभी उपलब्ध नहीं है। पुलिस की ओर से गोली नहीं चली है, केन्द्रीय बल की ओर से हो सकता है। ये शुरुआती जानकारी है। घायल खतरे से बाहर है। ममता बनर्जी ने शनिवार को कहा- वक्फ कानून राज्य में लागू नहीं किया जाएगा।

राम मंदिर के मुख्य शिखर पर कलश स्थापित, मुख्यमंत्री योगी ने जताई प्रसन्नता

भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण ने पार किया एक और पड़ाव

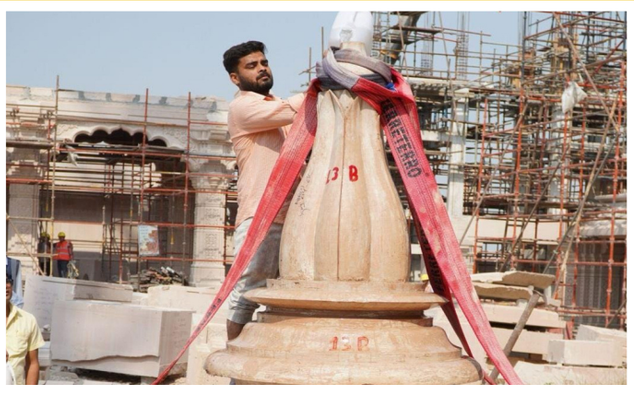

अयोध्याः अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण ने सोमवार को एक और ऐतिहासिक पड़ाव पार कर लिया। ब्राह्मणों की उपस्थिति में वैदिक विधि-विधान के साथ मुख्य शिखर पर कलश स्थापित किया गया। यह पवित्र कार्य सुबह 9:15 बजे शुरू हुआ और 10:30 बजे शिखर पर कलश की स्थापना पूरी हुई। इस अवसर पर अयोध्या में उत्सव का माहौल रहा और स्थानीय लोगों ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताया। राम मंदिर के निर्माण और अयोध्या के कायाकल्प से न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे देश में रामभक्ति की लहर और मजबूत हो रही है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि वैशाखी और बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की जन्म जयंती के शुभ अवसर पर यह कार्य संपन्न हुआ। अब मंदिर के मुख्य शिखर पर ध्वजदंड स्थापना की प्रक्रिया शुरू होगी। मंदिर निर्माण प्रगति पर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि राम मंदिर का निर्माण न केवल आध्यात्मिक, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा की अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण देशवासियों की आस्था और संकल्प का परिणाम है। यह भारत की सनातन संस्कृति को विश्व पटल पर और सशक्त करेगा। योगी ने ट्रस्ट और निर्माण कार्य से जुड़े सभी लोगों की सराहना की और इसे 'नए भारत' की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। अयोध्या को विश्वस्तरीय तीर्थस्थल बनाने के लिए राज्य सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। सड़क, रेल और हवाई संपर्क के साथ-साथ पर्यटकों और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

जल्द होगी मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा

चंपत राय ने जानकारी दी कि मंदिर परिसर से अब निर्माण मशीनें हटाई जाएंगी। प्रथम तल पर राजा राम, परकोटे और सप्तऋषियों के मंदिरों में मूर्तियों की प्रतिष्ठा का कार्य भी शीघ्र शुरू होगा। मंदिर का निर्माण कार्य निर्धारित समय पर आगे बढ़ रहा है, जिससे भक्तों में उत्साह है।

15-04-2025 ISN:Layout 1 4/15/2025 7:26 AM Page 2

नाबालिग की चाकू घोपकर हत्या, तीन नाबालिग पकड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण पूर्वी जिले के गोविंदपुरी इलाके में शनिवार देर रात एक 17 वर्षीय नाबालिग की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। मृतक की पहचान कृष के रूप में हुई है। गोविंदपुरी थाना पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर तीन नाबालिग को पकड़ा। पूछताछ में नाबालिगों ने खुलासा किया कि मृतक उनके साथ स्कूल में पढ़ता था। वह छोटी-छोटी बातों पर उनकी पिटाई करता था। उसने उन्हें धमकी दी थी कि वह उन्हें और उनके परिवारों को नुकसान पहुंचाएगा। मार पिटाई से तंग आकर तीनों नाबालिगों ने मृतक को सबक सीखने की योजना बनाई। बीती रात उसे बात करने के लिए बुलाया और उसके ऊपर चाकू से हमला किया। दक्षिण पूर्वी जिले के डीसीपी रवि कुमार सिंह ने बताया कि कृष परिवार के साथ भूमिहीन कैंप में रहते थे। परिवार में पिता, मां व एक छोटी बहन है। कुछ समय पहले ही कृष ने स्कूल छोड़ा था। वह बदरपुर, सीमेंट की दुकान में काम कर रहा था। डीसीपी के मुताबिक शनिवार रात 9:45 बजे सूचना मिली कि गोविंदपुरी इलाके में एक नाबालिग को चाकू मार दिया है। खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया है।

गोविंदपुरी में स्कूली रंजिश बना जानलेवा, तीन नाबालिगों ने की किशोर की हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में स्कूली प्रतिद्वंद्विता से उपजी पुरानी दुश्मनी के चलते तीन किशोरों ने शनिवार रात कथित तौर पर चाकू घोंपकर 17 वर्षीय लड़के की हत्या कर दी है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। पुलिस ने जांच के बाद तीनों किशोरों को हिरासत में ले लिया है सभी की उम्र लगभग 16 साल है। पुलिस ने बताया कि घटना शनिवार रात करीब 8:30 बजे हुई जब पीड़ित ने तीनों को पुराने मुद्दों को सुलझाने के लिए बुलाया था, लेकिन इस दौरान झगड़ा बढ़ गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों में से एक ने पीड़ित का गला घोंट दिया, जबकि अन्य दो ने उसके पेट और गर्दन पर कई बार चाकू से वार किए। पुलिस ने रविवार को एक बयान में कहा कि पीड़ित को पहले पास के अस्पताल ले जाया गया और बाद में एम्स ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। छात्र के पिता केरल में एक निर्माण मजदूर हैं और मां इलाके में घरेलू सहायिका के रूप में काम करती हैं। रात 9:45 बजे पुलिस नियंत्रण कक्ष (PCR) को कॉल करके घटना की सूचना दी गई। पुलिस ने बताया कि गोविंदपुरी थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच के दौरान तीनों आरोपियों की पहचान करके उन्हें पकड़ लिया गया। आरोपियों में से दो छात्र हैं, जबकि एक ने पांचवीं कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। पुलिस ने बताया कि तीनों आरोपियों की पीड़ित से रंजिश थी, जिसने कथित तौर पर पिछले दिनों उन पर हमला किया था। आरोपियों ने यह दावा भी किया कि पीड़ित ने उन्हें और उनके परिवारों को धमकियां दी थीं। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने हत्या में कथित तौर पर इस्तेमाल किए गए दो चाकू बरामद किए हैं और जांच जारी है।

एसओएल के छात्रों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग की बीए प्रोग्राम कोर्स की कक्षाएं रविवार को समाप्त हो गई। छात्रों ने बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इन छात्रों के संगठन क्रांतिकारी युवा संगठन (केवाईएस) ने एसओएल के छात्रों के साथ मिलकर डीयू आर्ट्स फैकल्टी पर विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों का कहना था कि उनका पाठ्यक्रम पूरा हो गया है लेकिन उन्हें पूरा स्टडी मटेरियल भी नहीं मिला है। ऐसे में अगले महीने से शुरू होने वाली परीक्षा में छात्रों के बड़ी संख्या में फेल होने की आशंका है। संगठन का आरोप है कि पहले की तरह इस सेमेस्टर में भी छात्रों को केवल 10 से 15 कक्षाएं ही दी गई हैं, जो सिलेबस पूरा करने के लिए काफी नहीं हैं। यह कक्षाएं छात्रों की समझ बढ़ाने और उनके संदेहों को दूर करने के लिए बेहद जरूरी होती हैं। इतनी कम कक्षाओं के चलते छात्रों के लिए सिलेबस को अच्छी तरह से समझ पाना बेहद कठिन है, जिससे वे परीक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हो पाएंगे। केवाईएस ने एसओएल छात्रों की कक्षाओं की संख्या बढ़ाने की मांग की है ताकि छात्रों के पास पूरा सिलेबस समझने और परीक्षा की तैयारी करने के लिए पर्याप्त समय हो।

आईपीयू के अठारह सीईटी आधारित प्रोग्राम में अब 18 अप्रैल तक आवेदन का अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपी यूनिवर्सिटी के अठारह सीईटी आधारित प्रोग्राम में दाखिले के लिए अब 18 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। पहले इन प्रोग्राम में आवेदन की अंतिम तिथि 11 अप्रैल थी। इच्छुक आवेदकों की मांग पर आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाई गई है। ये प्रोग्राम हैं- मास्टर ऑफ़ फिजियोथेरेपी, बी.कॉम(ऑनर्स, एमएस(पैकेजिंग टेक्नोलॉजी, एमए(मास कम्युनिकेशन), बीए (जेएमसी), एम. टेक(रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन) रेगुलर, एमएससी(मेडिसिनल केमिस्ट्री एंड ड्रग डिज़ाइन), बीबीए एंड अलाइड प्रोग्राम्स/ बीबीए-एमबीए इंटीग्रेटेड, बीसीए, लेटरल एंट्री टू बी. टेक(डिप्लोमा धारकों के लिए), चार वर्षीय बीए इन इंग्लिश, एमएड, पारा-मेडिकल प्रोग्राम्स, एमएस(एनवायरनमेंट मैनेजमेंट), पीजी इन एप्लाइड जियो-इंफ़ॉर्मैटिक्स, एमपीएच(एफई), एमएससी (मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स), एमएससी (माइक्रोबायोलॉजी)। आईपी यूनिवर्सिटी ने नए सत्र में यूजी, पीजी और पीएचडी के दाखिले से संबंधित समस्याओं के निवारण के लिए सात-सदस्यीय उच्च स्तरीय कमिटी का गठन भी किया है। यूनिवर्सिटी के अकादमिक मामलों के निदेशक के नेतृत्व में यह कमिटी आवेदकों के ऑनलाइन एवं ऑफलाइन आए गंभीर समस्यायों का तत्काल निवारण करेगी। नए सत्र के दाखिले में आवेदकों को किसी तरह की असुविधा न हो यूनिवर्सिटी इसका पूरा ख्याल रख रही है। आवेदकों की सहूलियत के लिए यूनिवर्सिटी ने पहले से ही दाखिले के लिए चैट बॉट और क्यू आर कोड की सुविधा दे रखी है।

डीएम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के सभागार में धूमधाम से मनाई गई बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती

इंडिया सावधान न्यूज
गौतम बुद्ध नगर

भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट के सभागार में जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आज आंबेडकर जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर जिला अधिकारी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन, अपर जिलाधिकारी भू0आ0 एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों तथा कलेक्ट्रेट के स्टाफ द्वारा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के जयंती अवसर पर जिलाधिकारी ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर भारत के महापुरुष हैं। उन्होंने भारत के संविधान निर्मित होने में जो योगदान दिया है वह अनुकरणीय है। साथ ही उनका जीवन चरित्र हम सभी को सब के साथ एक जैसा व्यवहार करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब के सिद्धांतों से हमें धर्म, जाति, संप्रदाय अमीरी, गरीबी के भेदभाव को मिटाकर एक साथ रहने की

प्रेरणा मिलती है। आज हम सभी को उनके आदर्शों का अनुकरण करने का संकल्प लेते हुए अपनी कार्यप्रणाली में उन्हें अनुकरण करना चाहिए ताकि भारत देश एवं समाज का ओर अधिक विकास तेजी से आगे बढ़ सके। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी भू0आ0 बच्चू सिंह एवं सूचना विभाग के लेखाकार अरुण कुमार तथा अन्य वक्ताओं ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के जीवन चरित्र पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, डिप्टी कलेक्टर वेद प्रकाश पांडे, जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी ओमहरि उपाध्याय, अननेचुरल स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इसी प्रकार मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ला की अध्यक्षता में विकास भवन के सभागार में भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी, विकास भवन के अन्य अधिकारियों तथा कर्मचारियों द्वारा बाबा साहब की छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गयी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के जीवन चरित्र पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने की प्रेरणा दी। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में जनपद के अन्य शासकीय कार्यालयों में भी भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर जी की जयंती को धूमधाम से मनाते हुए उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

डॉ. अंबेडकर केवल किसी एक वर्ग के नहीं, बल्कि पूरे भारतवर्ष के नायक : आशीष सूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती की पूर्व संध्या पर दिल्ली सरकार ने एक विशेष मैराथन का आयोजन किया। इस अवसर पर दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सामाजिक न्याय और संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूती से निभा रही है।

उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य समाज को यह संदेश देना है कि डॉ. अंबेडकर केवल किसी एक वर्ग के नहीं, बल्कि पूरे भारतवर्ष के नायक हैं। उन्होंने कहा, विभिन्न राज्यों की राजधानी में अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। दिल्ली में भी यह मैराथन सामाजिक न्याय के प्रतीक और संविधान के निर्माता डॉ. अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आयोजित की गई। सूद ने बताया कि मैराथन 2.9 किलोमीटर की होगी, जिसमें दो शिक्षक इसे लीड करेंगे और बाकी प्रतिभागी उनके पीछे कदम से कदम मिलाकर चलेंगे।

आशीष सूद ने कहा, 'डॉ. अंबेडकर हमारे लिए संविधान के निर्माता और जननायक हैं। उन्होंने समाज को एकजुट करने, पिछड़े वर्गों को आगे लाने और देश को जागरूक करने का ऐतिहासिक कार्य किया। देश उनका हमेशा ऋणी रहेगा।' उन्होंने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोगों ने संविधान की धज्जियां उड़ाईं और श्रद्धा के केंद्रों का बाजारीकरण किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा सरकार अंबेडकर के प्रति अपनी श्रद्धा को समय-समय पर व्यक्त करती रहेगी और समाज को इसमें शामिल करेगी।

सूद ने यह भी कहा कि अंबेडकर जयंती का यह आयोजन न केवल उनकी शिक्षाओं को याद करने का अवसर है, बल्कि समाज में उनके विचारों को फैलाने का भी मौका है। उन्होंने बताया कि पंच तीर्थों की स्थापना जैसे कदम भाजपा सरकार की सामाजिक न्याय को लेकर प्रतिबद्धता दर्शाते हैं। मैराथन के माध्यम से युवाओं और बच्चों को बाबा साहेब के जीवन और योगदान से प्रेरणा लेने का संदेश दिया गया।

सूद ने कहा, 'डॉ. अंबेडकर को न केवल संविधान का जनक माना जाता है, बल्कि वे एक महान अर्थशास्त्री, समाज सुधारक, लेखक और राजनीतिज्ञ भी थे। उन्होंने शिक्षा को समाज के विकास का आधार माना और यह विश्वास जताया कि उत्तम परिणाम के लिए उत्तम प्रयास आवश्यक हैं। इस अवसर पर उपस्थित लोगों से अपील की गई कि वे अंबेडकर के विचारों को अपनाएं और समाज में समानता व न्याय के लिए कार्य करें।'

हेल्थ टूरिज्म से चिकित्सा सुविधाओं में होगा सुधार, आर्थिक तौर पर दिल्ली होगी मजबूत: सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर गंगा राम अस्पताल ने अपने 70वें स्थापना दिवस समारोह में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। मंच से सीएम ने चिकित्सा सुविधाओं को लेकर अपनी सरकार की प्राथमिकताएं बताईं और खासतौर पर 'हेल्थ टूरिज्म' का जिक्र किया।

सीएम रेखा गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा, ÷जब मैं सर गंगा राम अस्पताल को देखती हूं, तो पूरे विश्वास के साथ कह सकती हूं कि यह एकमात्र ऐसा अस्पताल है, जिसके खिलाफ कभी कोई शिकायत नहीं आई। यहां किसी ने कभी नहीं कहा कि उनके साथ ग्राहक जैसा व्यवहार किया गया। हर व्यक्ति को मरीज के रूप में देखा जाता है, न कि राजस्व स्रोत के रूप में। इसके लिए मैं गंगा राम की पूरी टीम को तहे दिल से बधाई देती हूं।'

सीएम रेखा गुप्ता ने सर गंगा राम अस्पताल की देशव्यापी पहचान पर गर्व जताया और कहा,

'आज यह अस्पताल पूरे देश में अपनी साख रखता है। लेकिन मुझे अफसोस है कि पिछली सरकारों ने स्वास्थ्य क्षेत्र में उतना काम नहीं किया, जितना होना चाहिए था। कोविड महामारी के दौरान कई लोगों ने बिना इलाज के अपनी जान गंवाई, और उस समय राज्य सरकारों की निष्क्रियता सामने आई थी।'

उन्होंने हेल्थ टूरिज्म को बढ़ावा देने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा, 'मैं चाहती हूं कि दिल्ली को इतना सशक्त बनाया जाए कि विश्वभर के लोग यहां इलाज के लिए आएं। स्वास्थ्य पर्यटन से न केवल चिकित्सा सेवाएं मजबूत होंगी, बल्कि आर्थिक क्षेत्र को भी बल मिलेगा।'

गुप्ता ने दिल्ली सरकार की ओर से अस्पतालों को सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सर गंगा राम जैसे संस्थान दिल्ली सरकार के साथ मिलकर काम करेंगे। हम जमीन उपलब्ध कराएंगे ताकि हर व्यक्ति को बेहतर इलाज मिल सके। समाज को ऐसे संस्थानों की जरूरत है, जो स्वास्थ्य सेवा को सेवा का माध्यम मानकर काम करें।

सीएम रेखा गुप्ता ने जनता से अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, 'सुबह जब मैं पब्लिक डीलिंग करती हूं, तो हजारों लोग इलाज के लिए मदद मांगने आते हैं। उनकी आंखों में आंसू देखकर दुख होता है। लेकिन मैं वादा करती हूं कि अब ऐसा नहीं होगा। दिल्ली का समय बदलेगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े पैमाने पर काम किया जाएगा।'

वीरेन्द्र सचदेवा ने अपनी जन्म स्थली काली मस्जिद में बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा का किया अनावरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जयंति से एक दिन पूर्व भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग एवं दुष्यंत कुमार गौतम की उपस्थिति में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने सीताराम बाजार वार्ड स्तिथ काली मस्जिद डीडीए फ्लैट्स में 'रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा स्थापित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुघ एवं दुष्यंत गौतम ने उपस्थित जनों को बाबा साहेब के विचारों और उनके योगदान को स्मरण कराते हुए उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प दिलाया और कहा की बाबा साहेब के स्मरण मात्र से हम में समाजिक चेतना आती है।

श्री सचदेवा ने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनसे स्थानीय मुद्दों पर चर्चा की और फिर अपने पैतृक स्थल जहां उनका जन्म हुआ, वहां भी जाकर समय बिताया और अपने पुराने दिनों को याद किया। वीरेन्द्र सचदेवा ने इस मौके पर कहा कि एक राजनीतिक कार्यकर्ता होते हुए मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मैंने अपने जन्म स्थल पर एक ऐसे महान व्यक्ति की प्रतिमा का अनावरण किया है जो समाजिक न्याय और एकता के प्रतिक हैं।

श्री सचदेवा ने कहा कि डॉ. अंबेडकर सिर्फ संविधान निर्माता नहीं थे, बल्कि वे सामाजिक न्याय, समानता और सम्मान के प्रतीक हैं। यह प्रतिमा हमें हमेशा याद दिलाती रहेगी कि एक बेहतर और समावेशी समाज की नींव उच्च विचारों और संघर्ष से पड़ती है। हम उनके दिखाए मार्ग पर चलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह पहल न

केवल श्रद्धांजलि है, बल्कि समाज को एक नई दिशा देने का प्रयास भी है – जहां हर व्यक्ति को समान अवसर और सम्मान मिले।

इस मौके पर एसोसिएशन अध्यक्ष नरेश कुमार, पूर्व विधायक राजकुमार आनंद, पूर्व पार्षद राकेश कुमार, प्रदेश भाजपा के सह-कार्यालय मंत्री अमित गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी और स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मंजीत महाल गिरोह का शूटर गिरफ्तार, अत्याधुनिक पिस्तौल बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने कुख्यात गैंगस्टर मंजीत महाल गिरोह के सक्रिय शूटर दिनेश उर्फ राजेश उर्फ मोगली को गिरफ्तार किया है। मंजीत लंबे समय से कुख्यात गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू और नवीन खाती गिरोह के साथ वर्चस्व की लड़ाई लड़ रहा था। इन गिरोहों के बीच गैंगवार में कई अपराधी मारे जा चुके हैं। उसके पास से अमेरिका की अत्याधुनिक 9 एमएम बेरेटा पिस्तौल, 13 कारतूस, तीन खाली खोल और अन्य अवैध हथियार बरामद हुए हैं।

डीसीपी हर्ष इंदौरा के मुताबिक, दिनेश जाफरपुर कलां के दरियापुर खुर्द गांव का रहने वाला है। मंजीत महल ब्रिटेन के गैंगस्टर कपिल सांगवान का कट्टर प्रतिद्वंद्वी है। दिनेश नजफगढ़ और द्वारका इलाके में अपने गिरोह का दबदबा बढ़ाने के लिए ऐसे विदेशी हथियार रखता था। पश्चिमी दिल्ली में हाल ही में हुई गोलीबारी की घटनाओं के बाद मंजीत महल के गिरोह के सदस्यों सहित विभिन्न गैंगस्टरों की गतिविधियों ने पुलिस को सतर्क कर दिया है।

हेड कांस्टेबल संदीप कादियान को सूचना मिली कि कुख्यात मंजीत महल गिरोह के एक गैंगस्टर ने नजफगढ़ और द्वारका इलाके में अपने गिरोह का दबदबा स्थापित करने के लिए हिंसक अपराधों को अंजाम देकर सुर्खियां बटोरने के इरादे से अवैध अत्याधुनिक हथियार खरीदे हैं। एसीपी रविन्द्र कुमार राजपूत और इंस्पेक्टर अक्षय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कई स्थानों पर छापेमारी कर दिनेश को 9 एमएम बेरेटा पिस्तौल के साथ गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस का कहना है कि 11वीं कक्षा में पढ़ते समय दिनेश मंजीत महल गिरोह के बदमाश रविंद्र उर्फ भोलू के संपर्क में आया था। निजी रंजिश के चलते उसे कुछ समय बाद अपना गांव छोड़ना पड़ा था। इसके बाद वह रविंद्र के साथ मितराऊं गांव में रहने लगा था। नए साल 2015 की पूर्व संध्या पर उसने रविंद्र भोलू के साथ मिलकर अपने विरोधी नवीन खाती गिरोह के चार बदमाशों की गोली मारकर हत्या कर दी थी और शवों को बहादुरगढ़ के पास इस्सरहेड़ी गांव के सुनसान जंगल में ले जाकर जला दिया था। पुलिस ने उस मामले में दिनेश को गिरफ्तार किया था।

सात साल बाद वह जमानत पर बाहर आया और फिर से आपराधिक वारदातों को अंजाम देने लगा। बहादुरगढ़ और दिल्ली में उसके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह हरियाणा के राजेश सरकारी गिरोह के लिए भी काम कर रहा था। वह अपने गिरोह का प्रभाव बढ़ाना चाहता था। वह हिंसक वारदातों को अंजाम देने के लिए मंजीत महल से निर्देश मिलने का इंतजार कर रहा था।

भगवान महावीर स्वामी के महामस्तकाभिषेक महोत्सव का भव्य आयोजन सम्पन्न : मनोज जैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के ऐतिहासिक नगर महरौली स्थित अहिंसा स्थल पर जैन स्मारक एवं जिनालय में भगवान महावीर स्वामी की विशाल प्रतिमा के 24 वर्षों पश्चात महामस्तकाभिषेक का पावन आयोजन वीर प्रभु के जन्मकल्याणक के शुभ अवसर पर अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और भव्यता के साथ मनाया जा रहा है। इस दिव्य आयोजन में मुनि श्री 108 प्रणम्य सागर जी महाराज की पावन उपस्थिति और आशीर्वाद ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। सकल जैन समाज की भागीदारी ने इस महोत्सव को और भी विशेष एवं अविस्मरणीय बना दिया। मनोनीत निगम पार्षद मनोज कुमार जैन ने कार्यक्रम में भाग लेकर अपने अनुभव साझा करते हुए कहा 卐अहिंसा स्थल, महरौली में भगवान महावीर स्वामी के महामस्तकाभिषेक महोत्सव में भाग लेकर दिव्यता, शांति और आशीर्वाद की अनुपम अनुभूति हुई। यह आयोजन अविस्मरणीय रहा। राकेश जैन, प्रदीप जैन, अवनीश जैन एवं समस्त समिति का मनोज जैन ने आभार व्यक्त किया। धर्मस्थल के धर्माधिकारी परम श्रद्धेय डॉ. वीरेंद्र हेगड़े जी सहित अनेक गणमान्य अतिथि, श्रद्धालु एवं समाज के प्रमुखजन इस आयोजन का हिस्सा बने।

वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 देश के संविधान के विरुद्ध और बहुसंख्यकों के वर्चस्व का प्रतीक, अंत तक संघर्ष की घोषणा

-जमीअत उलमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति ने भारत सरकार से मांग की कि वह तत्काल इस कानून को वापस ले और शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शनों को न रोके

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमीअत उलमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति की एक अत्यंत महत्वपूर्ण सभा आज नई दिल्ली के आईटीओ स्थित मदनी हॉल में जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें वक्फ संशोधन अधिनियम 2025, उत्तराखंड में मदरसों के विरुद्ध सरकारी कार्रवाई, समान नागरिक संहिता के क्रियान्वयन और फिलिस्तीन में नरसंहार जैसे वर्तमान समय के ज्वलंत मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई और महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसके साथ ही नए सदस्यता अभियान की तिथि में भी विस्तार किया गया। कार्यकारी समिति की सभा में जमीअत उलमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति के सदस्यों और देश भर से विशेष आमंत्रित लोगों ने भाग लिया और कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

सभा में विशेष रूप से वक्फ संशोधन अधिनियम की कमियों और इसके पीछे के उद्देश्यों पर घंटों चर्चा हुई। सबसे पहले वक्फ की सुरक्षा को लेकर जमीअत उलमा-ए-हिंद के संघर्ष पर आधारित रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसके बाद जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने इस कानून पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा मानना है कि यह कानून देश के संवैधानिक ढांचे के खिलाफ है और भारत के संविधान के विरुद्ध है, जो बहुसंख्यकों का वर्चस्व स्थापित करने के लिए लाया गया है। यह सिर्फ कानूनी मुद्दा नहीं बल्कि न्याय और सिद्धांत का मामला है। हमने इस तरह के उत्पीड़न और अन्याय के खिलाफ पहले भी लड़ाई लड़ी है और हम भविष्य में भी लड़ेंगे। इस देश की बुनियाद जिन सिद्धांतों पर रखी गई थी, वह समानता, न्याय और स्वतंत्रता की गारंटी देते हैं। ऐसा महसूस होता है कि आज इन बुनियादों को हिलाने का प्रयास किया जा रहा है। मैं चाहता हूं कि मेरे यह शब्द न केवल सुने जाएं, बल्कि महसूस भी किए जाएं। यह मेरे समुदाय की पीड़ा और भावनाओं की अभिव्यक्ति है। उम्मीद है कि देश का नेतृत्व, मीडिया और आम जनता इस आवाज को सुनेंगे और इस पर गंभीरता से विचार करेंगे।

इस अवसर पर जमीअत उलमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति ने वक्फ अधिनियम के खिलाफ प्रस्ताव पारित करते हुए कहा कि यह अधिनियम भारतीय संविधान के कई अनुच्छेदों 14, 15, 21, 25, 26, 29 और 300-ए के विरुद्ध है। इसका सबसे नुकसानदायक पहलू %वक्फ बाय यूजर% की समाप्ति है, जिससे ऐतिहासिक धार्मिक स्थलों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। सरकारी रिपोर्टों के अनुसार, उनकी संख्या चार लाख से अधिक है। केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिमों को शामिल करना, धार्मिक मामलों में खुला हस्तक्षेप और अनुच्छेद 26 का स्पष्ट उल्लंघन है। यह कानून बहुसंख्यकों के वर्चस्व का प्रतीक है, जिसका हम कठोरता से विरोध करते हैं।

कार्यकारी समिति यह स्पष्ट करती है कि वर्तमान सरकार संविधान की भावना और संवैधानिक समझौते का उल्लंघन कर रही है। एक पूरे समुदाय को हाशिए पर डालने, उनकी पहचान मिटाने और उन्हें दूसरे दर्जे का नागरिक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। सभा सरकार से मांग करती है कि वक्फ अधिनियम 2025 को

तुरंत वापस लिया जाए। वक्फ इस्लामी कानून का एक मौलिक हिस्सा है और एक धार्मिक इबादत है। इसमें ऐसा कोई भी संशोधन स्वीकार्य नहीं है जो इसके धार्मिक चरित्र और शरई आधार को प्रभावित करे। संशोधन केवल प्रशासनिक सुधार के लिए होने चाहिए।

कार्यकारी समिति सरकार और विपक्ष के भ्रामक बयानों की निंदा करती है तथा मीडिया में फैलाए जा रहे दुष्प्रचार के खिलाफ सही स्थिति प्रस्तुत करने के लिए हर संभव कदम उठाएगी। यह भी स्पष्ट किया गया कि शांतिपूर्ण विरोध एक संवैधानिक अधिकार है। विरोध प्रदर्शनों को रोकना, कानूनी कार्रवाई करना या हिंसा का सहारा लेना निंदनीय है, जबकि विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा का सहारा लेना भी निराशाजनक है। ऐसे तत्व वक्फ आंदोलन को कमजोर कर रहे हैं।

15-04-2025 ISN:Layout 1 4/15/2025 7:26 AM Page 3

भाजपा का 46वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया : सिवालखास विधानसभा में "गांव चलो/वार्ड चलो अभियान" के तहत किया गया व्यापक जनसंपर्क

मेरठ/सिवालखास। भारतीय जनता पार्टी के 46वें स्थापना दिवस के अवसर पर सिवालखास विधानसभा में "गांव चलो/वार्ड चलो अभियान" के अंतर्गत भव्य जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान के माध्यम से प्रदेश की योगी सरकार के 8 वर्षों की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया। अभियान के तहत ग्राम पंचायत सरूरपुर खुर्द, ईकड़ी, ककेकेपुर एवं मेहर मति गणेशपुर में भाजपा पदाधिकारियों द्वारा जनमानस से सीधा संवाद स्थापित किया गया।

कार्यक्रम की अगुवाई भारतीय मतदाता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सिवालखास विधानसभा सह-संयोजक वरिष्ठ भाजपा नेता पंडित आदेश फौजी ने की। उनके साथ भाजपा मंडल उपाध्यक्ष दीपक गुप्ता, जिला प्रतिनिधि लककी सैनी, योगेश गोस्वामी तथा भाजपा नेता अमरपाल प्रधान भी शामिल रहे। इन नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में जाकर केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लाभार्थियों तक पहुंचाई। कार्यक्रम के दौरान "लाभार्थी संपर्क एवं जनसंपर्क अभियान" के अंतर्गत भाजपा नेताओं ने जनता से संवाद करते हुए सरकार की योजनाओं जैसे उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना, राशन वितरण, किसान सम्मान निधि, नल से जल योजना इत्यादि की जमीनी हकीकत साझा की और बताया कि किस प्रकार भाजपा सरकार ने हर वर्ग को लाभान्वित किया है। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पंडित आदेश फौजी ने कहा कि ह्लभाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जो ह्यसबका साथ, सबका विकासह्ल के सिद्धांत पर कार्य करते हुए अंत्योदय की भावना से समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचा रही है।ह्ल उन्होंने कहा कि भाजपा का विशाल परिवार आज 12 करोड़ कार्यकताओं का हो चुका है और पार्टी जल्द ही देश में "एक राष्ट्र, एक चुनाव" जैसे ऐतिहासिक बिल को लाने जा रही है, जिससे लोकतंत्र को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि ये दोनों नेता केवल देश के लिए ही नहीं, बल्कि भारत को "विश्वगुरु" बनाने की दिशा में भी निरंतर कार्य कर रहे हैं। आज विश्व पटल पर भारत की जय-जयकार हो रही है और इसके पीछे भाजपा के समर्पित कार्यकताओं की मेहनत और राष्ट्रवादी विचारधारा है। कार्यक्रम में भारी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति और सहभागिता देखने को मिली। आम जनमानस ने भाजपा नेताओं का स्वागत करते हुए सरकार की योजनाओं को सराहा और भाजपा के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया।

संक्षिप्त डायरी

राजस्व संग्रह अमीन संघ के गंधर्व उपाध्याय बने अध्यक्ष, मुमताज अंसारी मंत्री

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। तहसील सभागार में उत्तर प्रदेश राजस्व संग्रह अमीन संघ जनपद की बैठक में कसया तहसील कमेटी का गठन किया गया जिसमें गंधर्व उपाध्याय अध्यक्ष, रामाशीष प्रसाद उपाध्यक्ष और मुमताज अंसारी मंत्री सर्वसम्मति से चुने गए। इसके अलावा मनोज कुमार राव संगठन मंत्री, प्रभात यादव कोषाध्यक्ष तथा मेराज अहमद आडिटर चुने गए। नवगठित कार्यकारिणी के गठन पर सभी सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया और संगठन की मजबूती हेतु प्रतिबद्धता जताई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जितेन्द्र दुबे तथा संचालन जिला मंत्री रमेश प्रसाद ने की। इस दौरान जिला ऑडिटर अमरनाथ द्विवेदी, तहसील हाटा, खड्डा, पडरौना तथा तमकुहीराज के अध्यक्षगण क्रमशः बलवंत प्रसाद, नथुनी प्रसाद, सुनील, कृष्णा तिवारी एवं संजय राय उपस्थित रहे।

लखनऊ में पेड़ से बांधकर युवक को मार डाला

लखनऊ । एक युवक को पेड़ से बांधकर मार डाला गया। उसका गला पेड़ के तने से गमछे के सहारे कस दिया गया। शरीर पर चोट के निशान हैं। घटना बंथरा इलाके के भदोही गांव की है। शरीर पर चोट के अलावा खूब धूल भी लगी थी। लोगों ने आशंका जाहिर की है कि उसके साथ मारपीट के बाद गला कसा गया। मृतक की पहचान भदोही गांव निवासी सुरेंद्र (35) के रूप में हुई है। पिता राधेश्याम की कुछ साल पहले मौत हो चुकी है। उसकी मां भी नहीं हैं। शादी न होने के चलते वह अपनी भाई-भतीजों के साथ ही रहता था। वह शनिवार की रात खाना खाने के बाद घर से निकला। रातभर घर नहीं पहुंचा। भतीजों ने काफी ढूंढा लेकिन वह नहीं मिला। सुबह घर से करीब 1 किलोमीटर दूर बरकता बाग जहांगीराबाद काकोरी में लोगों ने उसे पेड़ से बंधा देखा। स्थानीय लोगों ने उसके भतीजों को बताने के साथ इसकी सूचना पुलिस को भी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने कहा है कि हत्या हुई है या उसने आत्महत्या की है, यह पीएम रिपोर्ट के बाद पता चल सकेगा। मृतक के भतीजे कमलेश ने कहा- हमारी किसी से लड़ाई नहीं थी। चाचा एक व्यक्ति के यहां कई महीने से काम करते थे। हो सकता है कि उसी से उनकी कुछ कहा-सुनी हुई हो। जमीन विवाद के सवाल पर कहा- हमारे पास जमीन ही नहीं है तो उसके लिए लड़ाई कैसे होगी।

राष्ट्र की तरक्की में युवा लगाएं अपनी ताकत

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। बुद्ध इंटर कॉलेज कुशीनगर के बर्ष 99 बैंच के छात्र - छात्राओं के द्वारा आयोजित पुरातन छात्र सम्मेलन में गुरुजनों को सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी पुरानी यादें ताजा की और गुरुजनों का आशीर्वाद लिया। रविवार को बुद्ध स्थली स्थित एक नीजी होटल में आयोजित सम्मलेन का शुभारंभ सम्मानित शिक्षक रविन्द्र मिश्र राम आशीष शुक्ला, इंद्रासन प्रसाद संत, राम दयाल पटेल, सुरेश तिवारी, सुरेश प्रसाद चंद, बालेंद्र सिंह, शम्भू राव, इम्तियाज अहमद ,अशोक उपाध्याय द्वारा मां सरस्वती की मूर्ति के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके किया। अतिथि गुरुओं ने कहा कि शिक्षा से बड़ा कोई धन नहीं है, छात्र इसके साथ - साथ अपने देश की संस्कृति, सभ्यता, संस्कार को आगे बढ़ाएं और परिवार, समाज, राष्ट्र की तरक्की में युवा अपनी ताकत लगाएं। कहा कि शिक्षा के बिना किसी भी समाज की तरक्की संभव नहीं है। इस लिए समाज को सेवा भाव से शिक्षित करें और मानवीय मूल्यों, संविधान के मूल्यों को स्थापित करते हुए सफलता के कीर्तिमान स्थापित करें। पुरातन छात्राओं ने सस्वती वंदना, स्वागत गीत और मन मोहक गीतों की प्रस्तुति दी। छात्र - छात्राओं सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के संयोजक मनोज प्रजापति ने कार्यक्रम की रूप रेखा पर प्रकाश डाला। संचालन धीरज राव ने किया। इस अवसर पर रविन्द्र मिश्रा, शैलेन्द्र चन्द्र, आलोक पटेल, विद्या भूषण, राजेश, अनुराग, अजय, गौरव, पवन, शमशेर बहादुर चन्द्र, अमृता, श्वेता, संध्या, मनोरमा, आफरीन, लक्ष्मी जयसवाल आदि सैकड़ों पुरातन छात्र - छात्राएं मौजूद रहीं।

नीमा के स्थापना दिवस पर क्षय रोगियों में पोषण पोटली का हुआ वितरण

संवाददाता

कुशीनगर। तमकुहीराज नगर पंचायत के शिव मंदिर में नेशनल इंट्रीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन(नीमा) के स्थापना दिवस पर आयोजित फ्री हेल्थ कैम्प में 25 क्षय रोगियों के पुष्टाहार वितरण हुआ। मुख्य अतिथि उ प्र पिछड़ा आयोग के उपाध्यक्ष फुलबदन कुशवाहा ने कहा कि जन जन तक स्वास्थ्य सुविधाओं को पहुँचाना सरकार की प्राथमिकता है। ऐसे आयोजनों के द्वारा गरीबों का उपचार किया जा रहा है जो सराहनीय है।

विशिष्ट अतिथि नवागत मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अनुपम प्रकाश भाष्कर ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं माननीय मुख्यमंत्री के अतिमहत्वपूर्ण कार्यक्रमों में क्षय उन्मूलन है इसे हम सभी के भगीदारी से निश्चित ही कामयाबी मिलेगी। विभाग द्वारा क्षय रोगियों को सभी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। अध्यक्षता जिला आयुवेर्दिक अधिकारी डॉ दयाशंकर वर्मा ने किया। अतिथियों का स्वागत नीमा के अध्यक्ष डॉ रविरंजन श्रीवास्तव तथा आभार सचिव डॉ विनोद गुप्ता ने व्यक्त किया। कैम्प में लगभग 200 मरीजों के बीपी,सुगर की जांच तथा क्षयरोग एवं फाइलेरिया की स्क्रीनिंग भी किया गया। जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ एस.एन.त्रिपाठी, नीमा संरक्षक डॉ एनबी राय, नगर पंचायत अध्यक्ष जेपी गुप्ता, अधीक्षक डॉ अमित राय,डॉ जितेंद्र,डॉ एस. के.दुबे, डॉ विनोद पांडेय, डॉ रेहान, डॉ भाष्मती, डॉ नीलू,डॉ स्वाति, निक्षय मित्र नोडल आशुतोष कुमार मिश्र, संजय दुबे, प्रवीण कुमार, वाहिद आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पश्चात सीएमओ द्वारा सीएचसी तमकुहीराज का औचक निरीक्षण किया गया। जिसमें उनके द्वारा प्रसव कक्ष, कोल्डचेन रूम में वैक्सीन की गुणवत्ता अच्छी पाई गई तथा डीप फ्रीजर एवं आईएलआर का तापमान मानक के अनुरूप मिला,ऑपरेशन कक्ष,ईटीसी वार्ड आदि का निरीक्षण किया गया।सफाई व्यवस्था ठीक पाई गई।कमियों को सुधारने के लिये अधीक्षक को निर्देशित किया गया। फिर वहाँ से सीएमओ रविवार को लगने वाले मुख्यमंत्री जनारोग्य मेले का निरीक्षण करने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरहरदो पट्टी पहुँचे वहाँ पर्ची काउंटर, ओपीडी कक्ष, दवा वितरण कक्ष,प्रयोगशाला कक्ष का निरीक्षण किया गया तथा उपस्थित चिकित्सक एवं कर्मचारियों से पूछताछ किये एवं कमियों को सुधारने के लिये निर्देश भी दिये। सीएमओ द्वारा परिसर में बने आयुष्मान आरोग्य मन्दिर का भी निरीक्षण किया गया तथा सीएचओ सुहाना से कार्यक्रम सम्बन्धी जानकारी भी लिया गया। आयुष्मान आरोग्य मन्दिर पर जाने वाले रास्ते को पक्का बनाने के लिये प्रधान से सम्पर्क करने को अधीक्षक को निर्देशित किया गया। इस निरीक्षण दौरान अधीक्षक तमकुही डॉ अमित राय,डॉ दिग्विजय राय, डा राजीव राव,बीपीएम प्रवीन कुमार राय, बीसीपीएम वाहिद हुसैन, विकास रौनियर, विजय चौहान, फार्मासिस्ट गिरीश सिंह,स्टाफ नर्स प्रियंका, नेहा, निशु, सुधा मिश्रा, ममता त्रिपाठी उपस्थित रहे '

पं. मंगल उपाध्याय पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर के जौरा बाजार स्थित पंडित मंगल उपाध्याय पब्लिक स्कूल में आयोजित वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह में छात्र- छात्राओं की रंगारंग प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। सरस्वती वंदना से लेकर महाभारत के द्रौपदी चीरहरण जैसे गंभीर प्रसंगों और हास्य नाटक, नारी शक्ति, समय प्रबंधन जैसे प्रेरणादायक कार्यक्रमों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक गंगा सिंह कुशवाहा ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चा जन्म से प्रतिभाशाली होता है, आवश्यकता केवल उचित मंच और मार्गदर्शन की होती है। बच्चों की प्रस्तुति उनके अंदर छिपी अद्भुत प्रतिभा का प्रमाण है। विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष दिवाकर मणि त्रिपाठी, विजय शुक्ला, पूर्व जिला पंचायत सदस्य ज्ञानेश्वर द्विवेदी दीपक,पूर्व अधिशासी अभियंता बृजराज यादव, महेंद्रनाथ उपाध्याय, नंदलाल विद्रोही आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। स्कूल टॉपरों में मुस्कान खातुन, सुनिधि बरनवाल, सलोनी प्रसाद, सृष्टि भारती, राम चौबे, रीतिका जायसवाल, आरुषि शर्मा, आदित्य यादव, साक्षी उपाध्याय, अभय उपाध्याय, खुशी साहनी समेत करीब पांच दर्जन बच्चों को सम्मान मिला। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अनुष्का, दीक्षा, सौम्या, रोशनी, मुस्कान, जन्नत खातून, ईशु, सोनाली, नजमा खातून आदि छात्राओं ने शानदार प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता अवकाश प्राप्त शिक्षक श्रीकांत मिश्र, संचालन कवि मनंजय तिवारी ह्यनिर्मलह्ल , विद्यालय के डायरेक्टर आलोक चंद्र उपाध्याय ने आभार प्रकट किया। इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी आश्रित संगठन के जिला मंत्री शोभा मणि, सहकारी संघ कसया के अध्यक्ष पुनीत पांडेय, सुरेश राय, कृष्णानंद उपाध्याय, शम्भू बरनवाल, अनिल जायसवाल, विद्यालय परिवार के योगेन्द्र उपाध्याय, देवेन्द्र उर्फ इंदू उपाध्याय, आनंदमोहन चतुर्वेदी, जितेंद्र उपाध्याय, नवीन मिश्र, शिवव्रत सिंह, दिलीप उपाध्याय, संतोष श्रीवास्तव, सुरेश खरवार, राघव दूबे उपस्थित रहे।

कुशीनगर में आंधी-तूफान और बारिश का कहर

कुशीनगर । रविवार सुबह 10 बजे तेज आंधी-तूफान के साथ झमाझम बारिश और ओलावृष्टि ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। बारिश से जहां लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। वहीं किसानों की चिंताएं बढ़ गईं। तूफान की वजह से कई इलाकों में नुकसान की खबरें सामने आईं। खड्डा थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 2 गांधी नगर में टीनशेड गिरने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तुर्कहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। पशरमापुर गांव में एक झोपड़ी हवा में उड़ गई। एक बिजली का खंभा भी गिर गया। एक फेरीवाला खंभे की चपेट में आने से बाल-बाल बचा। किसानों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। खेतों में तैयार खड़ी गेहूं की फसल और सब्जियां तूफान से जमीन पर बिछ गईं। किसानों का कहना है कि बारिश का सिलसिला जारी रहा तो नुकसान और बढ़ेगा। कई गांवों में लोगों के घरों के टीनशेड और छप्पर उड़कर दूर जा गिरे। ग्रामीणों ने प्रशासन से राहत और मुआवजे की मांग की है। मौसम विभाग के अनुसार मौसम का यह मिजाज मंगलवार तक बना रहेगा।

प्रयागराज में दलित युवक की हत्या कर शव जलाया: पुलिस को 2 घंटे नहीं उठाने दी बॉडी

प्रयागराज । रविवार को एक दलित युवक की हत्या कर शव जला दिया गया। गांव के बाहर बगीचे में उसकी अधजली लाश मिली। परिवार वालों ने गांव के ही 7 लोगों पर जिंदा जलाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने सभी के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मुख्य आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है। मामला करछना थाना क्षेत्र का है। वहीं, मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर युवक के घरवालों ने 2 घंटे तक शव नहीं उठने दिया। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद लोगों को समझा कर शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। इसौटा गांव में रहने वाले दलित अशोक कुमार का बेटा 30 साल का बेटा देवी शंकर मजदूरी करता था। उसके 3 बच्चे हैं। एक बेटी काजल और दो बेटे सूरज, आकाश हैं। पत्नी की मौत हो चुकी है। वह मां-बाप का अकेला बेटा था। देवी शंकर शनिवार शाम को घर से निकला था। रात भर जब वह घर नहीं लौटा, तो सुबह घर वालों ने देवी शंकर की तलाश शुरू की। इस बीच गांव वालों से पता चला कि एक युवक का अधजला शव बगीचे में पड़ा है। परिजन वहां पहुंचे, तो रोने-चिल्लाने लगे।गांव वालों ने पुलिस को बताया कि शनिवार रात करीब 2 बजे बगीचे में आग लगी थी। रात होने की वजह से वहां कोई देखने नहीं गया। सुबह जब हम लोग पहुंचे, तो वहां युवक की जली हुई लाश पड़ी थी। पिता अशोक कुमार ने बताया- बेटे देवी शंकर को गांव के ही 4 युवक बुलाकर ले गए थे। उससे कहा गया था कि गेहूं की मड़ाई का काम करना है। हमने बेटे को उनके साथ जाते देखा था। देर रात तक जब बेटा नहीं लौटा तो हमें लगा मड़ाई में समय लग रहा होगा। इसलिए मैं सो गया।

हृदय के सबसे सुकोमल भावों को व्यक्त करती है कविता: प्रो. गौरव तिवारी

संवाददाता

कुशीनगर। राष्ट्रीय सेवा योजना, बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर में आयोजित कविता पाठ प्रतियोगिता में 16 छात्र छात्राओं ने अपनी रचनाओं को सुनाकर श्रोताओं को मुग्ध कर दिया। रविवार को आयोजित कवि सम्मेलन में प्रो गौरव तिवारी ने बताया कि कविता का विषय मनुष्यता है। यह मनुष्य के हृदय की स्वाविक अभिव्यक्ति होती है। कविता मनुष्यता का सौंदर्य है।कविता हमेशा नव्यता और मौलिकता को प्रोत्साहित करती है। बताया कि कविता नित्य क्रिया नहीं है। कविता हृदय की उर्वरा भूमि पर अनुकूल अवसर पाकर उगने वाला सुकोमल पुष्प है। अतः कविता की रचना जल्दबाजी और अकुलाहट का विषय नहीं अपितु यह स्थिर भाव और चैतन्य मन की अभिव्यक्ति होती है।अच्छी कविता वही होती है जो हमारे हृदय के सबसे सुकोमल भावों को व्यक्त करती है।

प्रो गौरव तिवारी ने " अपने कुंवारेपन में, बुआ होने का भाव, मां के होने से कम नहीं होता।" सुनाकर सोचने पर विवश कर दिया। निर्णायक मंडल की सदस्य और कवयित्री सरिता मिश्रा ने " छू लिया तूने मुझे ख्वाब में कुछ इस तरह मैं ख्वाब में ही रह गया। वंदना वैदेही ने ' हे सूर्यवंश के रघुनंदन.., दिनेश भोजपुरिया ने " भाई भाई के बटइले का भइल मा इए बटा गइल..।, सहायक आचार्य डॉ निर्देश प्रजापति ने ' जीवन की डोर काहे तोड़ गए बाबूजी', रजत गुप्ता ने " कभी थी ये धरती हरी भरी..,सुना कर प्रथम स्थान, वाशु प्रसाद गोंड ने " माताएं देती है नवजीवन.., सुनाकर द्वितीय, आदित्य उपाध्याय ने "क्या वे दिन थे क्या वो नजारे थे.., सुनाकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। ममता गुप्ता ने ' जिम्मेदारियां हमसे नहीं पूछती, बता तेरी अपनी ख्वाहिश क्या है?, सिम्पल गौतम - शुक्ल पक्ष की रात सुनहरी सन्नाटा, स्वाति सिंह ने पढ़ाई तुम भी करते हो। अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो विनोद मोहन मिश्र ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा महाविद्यालय के नवांकुर कवियों को मंच प्रदान करना अतिप्रशंसनीय कार्य है। इसका मुझे पूर्ण विश्वास है। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्पांजलि से हुआ। अतिथियों का परिचय और स्वागत कार्यक्रम अधिकारी डॉ निगम मौर्य, आभार ज्ञापन डॉ पारस नाथ ने किया। इस अवसर पर प्रो सीमा त्रिपाठी, डॉ विशेषता मिश्रा, डॉ वीरेंद्र कुमार साहू, डॉ राकेश सोनकर, संजय गोंड, फूलचंद गोंड उपस्थित रहे।

कासगंज में मंगेतर के सामने लड़की से गैंगरेप

कासगंज । 17 साल की लड़की के साथ उसके मंगेतर के सामने गैंगरेप हुआ है। लड़की अपने मंगेतर के साथ राशन कार्ड बनवाने गई थी। रास्ते में नहर के पास दबंगों ने उन्हें घेर लिया। दोनों से मारपीट की। आरोपी लड़की को झाड़ियों में ले गए। जहां 3 आरोपियों ने गैंगरेप किया। दबंगों ने सोने की चेन, टॉप्स और 5 हजार रुपए भी लूट लिए। उसके बाद जान-माल की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने 8 लोगों पर केस दर्ज किया है। 5 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। पुलिस अन्य तीन की तलाश कर रही है। मामला कासगंज कोतवाली क्षेत्र का है। पीड़िता ने पुलिस को बताया, मैं अपने मंगेतर के साथ 10 अप्रैल को जिला पूर्ति कार्यालय पर राशन कार्ड बनवाने के लिए अप्लीकेशन देने गई थी। वहां पर काम पूरा होने के बाद बाइक से वापस घर लौट रहे थे। रास्ते में भूख लगने पर एक दुकान से खाने का सामान खरीदा और पास में नहर के पास एक पेड़ के नीचे बैठकर खाना खाने लगे। तभी वहां पर 4-5 लोग आकर हमें धमकाने लगे। हमसे पैसे मांगने लगे। उन लोगों ने मेरे मंगेतर से 5 हजार रुपए छीन लिए। उसके बाद आरोपियों के 3 और साथी मौके पर आ गए। सभी मुझे और मेरे मंगेतर को खींचते हुए अलग-अलग झाड़ियों में ले गए। मैंने मदद के लिए शोर मचाया तो हमें जान से मारने की धमकी दी गई।

15-04-2025 ISN:Layout 1 4/15/2025 7:26 AM Page 4

मथुरा से संभल तक सनातन युवा जोड़ो पदयात्रा पर निकलेंगी साध्वी हर्षा रिछारिया,जानें कौन सा होगा रूट।

दैनिक(इंडिया सावधान न्यूज) संवाददाता-दिनेश कुमार

मथुरा। मॉडलिंग की दुनिया से नाम कमाने वाली साध्वी हर्षा रिछारिया आजकल सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार में लगी हुई हैं। विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुंभ में साध्वी हर्षा रिछारिया ने जमकर सुर्खियां बटोरी थी।हर्षा ने अब युवाओं को धर्म से जोड़ने का बीड़ा उठाया है।हर्षा आज रविवार से अपनी 8 दिवसीय पदयात्रा की शुरूआत मथुरा से करेंगी और 21 अप्रैल को संभल में खत्म करेंगी।हर्षा ने बड़ी संख्या में लोगों से इस यात्रा में जुड़ने का आवाहन किया है।बता दें कि सोमवार सुबह 8:30 बजे इस यात्रा की शुरूआत साध्वी हर्षा रिछारिया वृंदावन के अटला चुंगी श्री राम मंदिर से करेंगी,जो अलीगढ़ के रास्ते 21 अप्रैल को संभल में खत्म होगी।हर्षा का मानना है कि संभल में कल्कि अवतार होने वाला है। 175 किलोमीटर की इस यात्रा में हजारों लोगों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।हर्षा ने इस यात्रा को सनातन युवा जोड़ों पदयात्रा का नाम दिया है।यात्रा में युवाओं की भीड़ पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।कई संत और हिंदू संगठन शामिल होंगे।साध्वी हर्षा रिछारिया का कहना है कि यात्रा का मुख्य उद्देश्य युवाओं को जाग्रत करना और सनातन के रास्ते पर लाना है।बंगाल में हो रहे हिंदू पलायन पर हर्षा का कहना है कि यह हमारे लिए बहुत बड़ा उ-दाहरण है,अगर अभी भी हमारी सोच नहीं बदलेगी,हम जागरूक और एक नहीं होंगे तो यह हमें भी कहीं भी देखने को मिल सकता है।

बिसौली नगर में बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर मनायी अम्बेडकर जयंती

संवाददाता -प्रदीप सक्सेना इंडिया सावधान न्यूज

बदायूं -बिसौली नगर में आज डॉ० भीमराव अंबेडकर जी की जयंती पर जिला नीति एवं शोध प्रमुख श्रीमती प्रवेश सिन्हा जी द्वारा उनके आवास पर बाबा साहब की जयंती के शुभ अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रवेश सिन्हा ने कहा कि बाबा साहब केवल संविधान निमार्ता नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता के प्रतीक भी थे। उन्होंने हमारे देश को संविधान दिया। लोगों को उनके अधिकार दिए।आज हम लोग उनके बनाए रास्ते पर चल रहे हैं समाज में जात पात को समाप्त करने में डां भीमराव अंबेडकर जी का विशेष सहयोग रहा है नगर अध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता ने भी अपने विचार रखे उन्होंने कहा कि संविधान के कारण ही आज महिलाएं आगे बढ़ रही हैं और हर क्षेत्र में अपने अधिकारों को प्राप्त कर रही है
इस अवसर पर नगर अध्यक्ष श्री मनोज कुमार गुप्ता जी, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष श्री अनिल रस्तोगी जी,मंडल महामंत्री वैभव शर्मा जी,बूथ प्रभारी श्रीमती संगीता रस्तोगी जी,मंडल उपाध्यक्ष विकास भिल्ला जी,राहुल सिंह जी,टोनी सिन्हा जी सहित भाजपा के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

वजीरगंज में बड़े धूम धाम से मनाई गई बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर जी की जयंती , निकाली गई शोभा यात्रा

संवाददाता चरन सिंह इंडिया सावधान न्यूज

वजीरगंज (बदायूं) कस्बे में बड़े धूम धाम के साथ मनाई गई संविधान निमार्ता डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जयंती । अंबेडकर पार्क गोपालपुर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। वक्ताओं ने डॉ भीमराव अंबेडकर जी के जीवन चरित्र व उनके द्वारा किए गए संघर्ष के बारे में विस्तार से बताया। शोभा यात्रा का शुभारंभ गोपालपुर अंबेडकर पार्क से हुआ और ये शोभा यात्रा मुन्ना लाल इण्टर कालेज से होते हुए आंवला रोड और मुख्यबस्ती से होते हुए गोपालपुर अंबेडकर पार्क पर समाप्त हुई। नगरवासियों ने शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा की। महापुरुषों की झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। पूरी शोभा यात्रा तक नवागत थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर डटे रहे। युवाओं में जोश देखा गया। डॉ भीमराव अंबेडकर जी से सम्बन्धित गानों पर युवा थिरकते नजर आए। गुलाल उड़ रहा था।
इस कार्यक्रम में डॉ लाखन सिंह, चेयरमैन नूरसबा बेगम , जाहिर अहमद ,मु.उमर कुरैशी पूर्व चेयरमैन,राहुल वार्ष्णेय,महेंद्र जाटव,विजय सागर,संजीव कुमार,मदन भारती,आदि लोग उपस्थित थे।

सीएम योगी भीम नगरी का करेंगे उद्घाटन

मंच से पीडीए की धार करेंगे कुंद

दैनिक(इंडिया सावधान न्यूज)
क्राइम संवाददाता-दिनेश कुमार

आगरा। समाजवादी पार्टी के पीडीए फामूर्ले से 2024 के लोकसभा चुनाव में सीट घाटे का दंश झेल चुकी भारतीय जनता अब इसकी धार कुंद करने में जुट गई है।डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की जयंती के एक दिन पहले प्रतिमाओं और पार्कों में सफाई और दीपांजलि के बाद भीम नगरी के आयोजन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शामिल होने की सहमति यही इशारा दे रही है। बता दें कि भीम नगरी समारोह इस बार कुछ खास होने जा रहा है।इस आयोजन में सीएम योगी आ रहे हैं। सीएम कार्यक्रम का उदघाटन करेंगे और डेढ़ घंटे तक शहर में रहेंगे।बता दें कि आगरा दलितों का गढ़ माना जाता है।आगरा में कई विधानसभा सीटों पर दलित वोटर निर्णायक भूमिका में हैं। भाजपा दलितों को पार्टी से फिर जोड़कर अपनी स्थिति को और मजबूत करना चाहती है।केंद्र की मोदी सरकार और योगी

सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी बने दलित वोटरों ने 2014 से 2022 के विधानसभा चुनाव तक भाजपा का हर स्तर पर खूब साथ दिया।यूपी में डबल इंजन की सरकार बनी तो अधिकांश जिलों में ट्रिपल इंजन की भी सरकार बनी, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा के पीडीए फामूर्ले के प्रभाव में आए दलित वोटर भाजपा से दूरी बना ली।भाजपा को यूपी में सीटों का बड़ा घाटा हुआ।चिंता का विषय बने इस समीकरण को तोड़ने के लिए भाजपा नेतृत्व ने डॉक्टर भीमराव आंबेडकर जयंती को अवसर के तौर पर लिया है। देश भर में विभिन्न आयोजनों के माध्यम से दलित वोटर को भाजपा से जोड़ने की कोशिश की जा रही है।भीम नगरी के उद्घाटन कार्यक्रम में आएंगे सीएम,इसी क्रम में आवास विकास कॉलोनी सिकंदरा के सेक्टर 11 में आयोजित भीम नगरी का उद्घाटन करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आएंगे।इससे पहले भी आयोजन समिति ने सीएम को कई बार आमंत्रित किया था,लेकिन वह नहीं आ पाए थे।लगातार तीन लोकसभा चुनाव में बसपा के हाथ खाली रहने के लिए उसका कोर वोटर छिटकना माना जाता है।भाजपा दलित वोटर को पालने में बनाए रखने की जुगत में जुटी।2027 के विधानसभा चुनाव में अगर दलित वोटर बसपा की तरफ रुख करता है तो ये भाजपा के लिए बड़े घाटे का सबब बन सकता है।ऐसे में भाजपा की इस मशक्कत को दलित वोटर को अपने पाले में बनाए रखने की जुगत भी माना जा रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में संविधान बदलने का भ्रम फैलाकर दलित वोटरों को अपने पाले में करने में सफल रही कांग्रेस भी दलितों को अपने साथ जोड़े रखने की कोशिश में है।

निकाह के छुआरों के लिए आपस में भिड़े बाराती,जमकर चली कुर्सियां,वीडियो वायरल

दैनिक(इंडिया सावधान न्यूज) संवाददाता-दिनेश कुमार

हापुड़। उत्तर प्रदेश के हापुड़ में निकाह के पंडाल में युद्ध होने लगा।देखते ही देखते लोग आपस में में भिड़ गए और मारपीट करने लगे।कोई लात-घूसों से तो कोई पंडाल में रखी प्लास्टिक की कुर्सियों से एक दूसरे को मार रहा था।इसका वीडियो भी सामने आया है। हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली क्षेत्र के गांव पौपाई में जमशेद की दो बेटियों का निकाह था। एक बेटी की बारात ग्राम दौताई, गढ़मुक्तेश्वर हापुड़ से तथा दूसरी बारात जनपद मेरठ के पचपेड़ा गांव से आई थी।निकाह की रस्म चल रही थी। जैसे ही दोनों दूल्हों ने निकाह कबूल किया तो कबूलनामे की खुशी में छुआरों का वितरण किया जाने लगा। निकाह में पहुंचे लोगों को छुहारे दिए जाने लगे। इसी दौरान अचानक अफरा-तफरी का माहौल हो गया और छुआरों को लेने के लिए लोगों की भीड़ बांटने वाले पर टूट पड़ी। छीना झपटी होने लगीं। इसी बीच दोनों पक्षों के बारातियों के लोग आपस में भिड़ गए। वीडियो में दिखी मारपीट,बात इतनी बढ़ गई कि निकाह की खुशियों में शामिल होने आए लोग मारपीट पर उतारू हो गए। एक दूसरे के साथ लात-घूसे और कुर्सियों से मारपीट करने लगे। वहां मौजूद एक युवक ने इस घटना का वीडियो मोबाइल फोन में कैद कर लिया। जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि दोनों पक्षों के बाराती एक दूसरे के ऊपर कुर्सियों से हमला कर रहे हैं। निकाह के पंडाल में कुछ लोग कुर्सियों से हमला कर रहे हैं तो कुछ लोग अपनी जान बचाकर भाग रहे हैं। इसी अफरा तफरी के माहौल के बीच मामले की सूचना पुलिस को दी गई।

गांव पंवासा के सौंधन की मिलक में धूमधाम के साथ निकाली गई शोभायात्रा

संवाददाता अफसर अली इंडिया सावधान न्यूज

संभल। विकासखंड पवांसा के गांव सौंधन की मिलन में आंबेडकर पार्क में सोमवार को बाबा साहब की 134 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष चौधरी हरेन्द्र सिंह रिंकू ने किया। उन्होंने बाबा साहब के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही ग्रामीणों ने बाबा साहब के बताये रास्ते पर चलने का आह्वान किया। उसके बाद में ग्रामीणों ने गांव में बाबा साहब की प्रतिमा ट्रैक्टर ट्राली में रखकर शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा पार्क से होकर गांव के विभिन्न रास्तों से निकाली गई। उसके बाद में पार्क में आकर संपन्न हुई। शोभायात्रा में युवा डीजे की धुनों पर नाचते गाते चल रहे थे। पूरा गांव जय भीम के जयकारों से गूंज उठा। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य विरलेश यादव, हिरदेश यादव, प्रेम सिंह यादव, पुष्पेन्द्र यादव, सोनू यादव, अरविन्द, प्रेमकिशोर, मोहनदास सागर, सुखवीर सिंह, चुनमुन, प्रदीप, मनोज, गुड्डू, कैलाश, सचिन, करन कुमार, ओमवीर सिंह, विपिन आदि मौजूद रहे।

नगर पंचायत रुदायन में श्रद्धा के साथ मनाई बाबा साहब की जयंती

संविधान शिल्पी की 134 वीं जयंती पर केक काटा गया

बाबा साहब का जीवन हमेशा प्रेरणादायक रहेगा : मुरली मनोहर गुप्ता

सम्वादाता अवधेश शर्मा
इंडिया सावधान न्यूज

रुदायन(बदायूँ) नगर में चेयरमैन आवास पर बाबा साहेब की 134 वी जयंती पूर्ण श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर केक काटा गया और बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अध्यक्ष आवास पर बाबा साहब की जयंती का कार्यक्रम आयोजित किया गया इस अवसर पर बरिष्ठ भाजपा नेता चेयरमैन प्रतिनिधि मुरली मनोहर गुप्ता ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए केक काटते हुए कहा कि बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के जीवन दर्शन का लोग अध्ययन कर उनके विचारों से जरूर सीख ले। बाबा साहब ने समाज को एक समान जोड़ने का कार्य किया है। भारतीय संविधान बनाने में बाबा साहब का बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने कहा

कि डॉ. अम्बेडकर जी का पूरा जीवन संघर्ष, सत्यनिष्ठा, लगन व वंचित वर्ग के प्रति करुणा का प्रतीक है। उन्होंने व्यक्तिगत जीवन मे अनेक बाधाओं व कष्टों को सहा किंतु कभी भी अपने लक्ष्य से विचलित नहीं हुए। उन्होने कहा कि महापुरूषों के जीवन का अनुसरण करते हुए व्यक्ति को उनके द्वारा बताए गए रास्तों पर चलकर देश, प्रदेश की तरक्की, खुशहाली के लिए अपना जीवन व्यतीत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का जीवन सभी के लिए हमेशा प्रेरणादाई रहेगा इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता मुरली मनोहर गुप्ता,ठाङ्कअनूप सिंह,संजीव गुप्ता, भीकम सिंह सभासद, रवेंद्र शर्मा अशोक यादव,फौजी,रज्जन लाल सागर, बृजनंदन, श्रीपाल, पूर्ण प्रकाश शर्मा,मुनेंद्र सभासद सुमित कुमार बाल्मीकि आदि सभी सम्मानित साथी मौजूद रहे।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर तृणमूल कांग्रेस का बड़ा आरोप, बीएसएफ की मदद से रची गई साजिश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ कानून के खिलाफ हुए हिंसक विरोध-प्रदर्शनों ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है। इस मुद्दे को लेकर जहां भाजपा ने राज्य सरकार पर कड़ा हमला बोला है, वहीं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने एक बड़ा पलटवार करते हुए इस हिंसा को एक 'सुनियोजित साजिश' करार दिया है। टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने रविवार को दावा किया कि इस हिंसा के पीछे कुछ केंद्रीय एजेंसियों, बीएसएफ की एक टुकड़ी, और दो-तीन राजनीतिक दलों का हाथ है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीएसएफ की मदद से कुछ उपद्रवी सीमा पार कर पश्चिम बंगाल में दाखिल हुए, अराजकता फैलाई और फिर उन्हें सुरक्षित रास्ता देकर वापस भेजा गया। घोष ने कहा, हमें कुछ इनपुट मिल रहे हैं कि यह सिर्फ स्थानीय असंतोष नहीं था, बल्कि एक बड़ी राजनीतिक और प्रशासनिक साजिश का हिस्सा था। मास्टरमाइंड कौन हैं, यह स्पष्ट नहीं है, लेकिन इतना तय है कि इस पूरी साजिश का मकसद बंगाल को बदनाम करना और राज्य में साम्प्रदायिक तनाव फैलाना था। इस बीच भाजपा ने आरोप लगाया है कि मुर्शिदाबाद के हालात भयावह हैं और कई हिंदू परिवारों को अपना घर छोड़कर पलायन करना पड़ा है। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने भी सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि कानून को हाथ में लेने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। कुणाल घोष ने भाजपा पर फर्जी तस्वीरें और भड़काऊ प्रचार करने का आरोप लगाते हुए कहा, भाजपा की सोशल मीडिया पोस्ट में जो तस्वीरें दिखाई गई हैं, उनमें से कई दूसरे राज्यों की हैं, लेकिन उन्हें मुर्शिदाबाद की बताकर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। टीएमसी ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार पूरी सतर्कता से स्थिति को नियंत्रित करने में लगी है और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। घटनाक्रम की गंभीरता को देखते हुए इस मुद्दे पर सियासी घमासान तेज हो गया है और सभी पक्ष एक-दूसरे पर दोषारोपण कर रहे हैं। अब यह देखना अहम होगा कि इस मामले की जांच किस दिशा में आगे बढ़ती है और क्या वाकई किसी साजिश का पर्दाफाश होता है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर भानु आई केयर सेंटर, बबराला में निशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित 130 मरीजों की हुई जांच

यामीन अहमद
इंडिया सावधान न्यूज

बबराला (संभल): भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के शुभ अवसर पर भानु आई केयर सेंटर, बबराला में एक निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस सेवा भाव से प्रेरित आयोजन में कुल 130 मरीजों की निःशुल्क जांच एवं परामर्श किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जाने-माने नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. कैलाश वार्ष्णेय ने की। उन्होंने बाबा साहब के जीवन, उनके संघर्ष और समाज सुधार के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कई गणमान्य अतिथि और समाजसेवी भी उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से डॉ. राहुल यादव, एड-वोकेट सतवीर आनंद, डॉ. रिजवान अहमद,

लाटोरी प्रसाद, महेश पाल, मुकेश गर्ग, मदन शर्मा, रशीद अंसारी, कपिल सिद्धार्थ, रणवीर सिंह, रंजीत कुमार, भूपेंद्र सिंह, गुंजन यादव, किशन यादव, योगेंद्र यादव एवं अरविंद शामिल रहे। कार्यक्रम की सफलता में सभी का सहयोग सराहनीय रहा और लोगों ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए आयोजकों का आभार प्रकट किया।

मुजफ्फरनगर में धर्म के ठेकेदारों की पुलिस ने निकाली अकड़,हिंदू युवक-मुस्लिम युवती को पीटने वालों का किया ये हाल।

दैनिक(इंडिया सावधान न्यूज)
क्राइम संवाददाता-दिनेश कुमार

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में हिंदू युवक-मुस्लिम युवती को पीटने वाले 6 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।युवक और युवती को पीटने वाले सरताज,शादाब,उमर,अर्श,शोएब और शमी की पुलिस ने सारी अकड़ निकाल दी।खालापार पुलिस थाने में सभी आरोपी लंगड़ाते हुए दिखाई दिए।पुलिस ने सभी आरोपियों को जेल भेज दिया है।पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल, मुजफ्फरनगर में सोशल मीडिया पर एक वीडियो बहुत तेजी से वायरल हो रहा है।वायरल वीडियो में मुस्लिम युवती को हिंदू युवक के साथ देख उसके साथ बदसुलूकी,कई युवकों ने उनके साथ मारपीट और युवती का बुर्का उतारकर उसे बेनकाब करते हुए नजर आ रहे हैं।वहां मौजूद भीड़ ने उसका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। बता दें कि यह घटना मंगलवार की है,जिसकी सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची थी।पुलिस ने युवक-युवती को आरोपियों के चंगुल से निकाल कर थाने पहुंची।पुलिस ने पीड़ित युवती की तहरीर पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए इस मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है।किस्त वसूलने गए थे पीड़ित, दरअसल खालापार निवासी फरहाना नाम की एक मुस्लिम यवती उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस लिमिटेड कंपनी में सचिन के साथ किस्त वसूली का काम करती है।आरोप है कि मंगलवार को फरहाना ने सुजडू गांव निवासी शमा पत्नी शाहनवाज के यहां से किस्त लेने के लिए अपनी बेटी फरहीन को सचिन के साथ भेजा था,जिस समय फरहीन और सचिन मोटरसाइकिल पर सवार होकर सुजडू गांव जा रहे थे तो खालापार मौहल्ले में स्थित दर्जी वाली गली में 8-10 लोगों ने उन्हें जबरन रोक लिया। पीड़ित युवती ने लगाया ये आरोप, पीड़ित युवती फरहीन का आरोप है कि इस दौरान इन सभी लोगों ने उनके साथ गाली गलौज और बदसलूकी करते हुए मार पिटाई की। सीओ सिटी राजू कुमार साव ने बताया कि दिनांक 12 अप्रैल को शाम के समय लगभग 4 से 4:30 बजे के बीच में थाना भवन शामली का रहने वाला एक हिंदू युवक और खालापार कस्बे की रहने वाली मुस्लिम युवती उत्कर्ष स्माल फाइनेंस बैंक के लोन की किस्त को सुजडू कस्बे से कलेक्ट करके आ रहे थे। खालापार कस्बे में ही दर्जी वाली गली के सामने स्थानीय कुछ लोगों ने इनको रोक कर उनके साथ बदसलूकी किया। वीडियों में दिख रहे युवकों में से छह लोगों की पहचान हुई और गिरफ्तार कर लिया गया। बाकी आरोपियों की भी गिरफ्तारी की जाएगी।

किरन सोशल वेलफेयर सोसाइटी की ओर से डांडिया महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता अफसर अली
इंडिया सावधान न्यूज

चंदौसी(संभल)किरन सोशल वेलफेयर सोसाइटी (रजि.) उ. प्र. द्वारा डांडिया महोत्सव कार्यक्रम 14 अप्रैल दिन सोमवार को शाम 3:00 बजे गीता सत्संग भवन सीता रोड चंदौसी पर आयोजित किया गया जिसमें अध्यक्ष डॉ नीलम वार्ष्णेय ने सर्वप्रथम मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया जैसे की माता को प्रिया है डांडिया उसी के अनुसार किरण सोशल समिति की महिलाओं ने अपना-अपना मन बनाया और माता के डांडिया उत्सव करने का विचार बनाया महिलाओं ने मिलकर डांडिया उत्सव कार्यक्रम मनाया और उसका आनंद लिया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा मां काली का स्वरुप बनकर नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया बच्चों ने कृष्ण बनकर भी नृत्य किया जिसमें ग्रुप की महिलाओं ने भी अलग-अलग गानों पर भजन प्रस्तुत किया महिलाओं ने अन्य गेम्स भी आपस में खेले गए वही किरण सोशल वेलफेयर समिति की प्रदेश अध्यक्ष डॉ नीलम वार्ष्णेय ने कहा की किरण सोशल वेलफेयर समिति ने कोलकाता की तर्ज पर इंडिया उत्सव का गरबा वृत्त का सुंदर प्रस्तुति का आयोजन किया समिति द्वारा पर्व पर धार्मिक आयोजन की जाते है नवरात्रि के पर्व के अवसर पर इंडियन महोत्सव के कार्यक्रम से पूर्व किरण सोशल प-रवार की काफी उल्लास है इंडियन उत्सव में समिति की प्रत्येक महिला ने कार्यक्रम को सफल बनाया कार्यक्रम में शीलू, रूबी वार्ष्णेय, सीमा, इंदु, मीना वार्ष्णेय, इशिता, अंजु, लक्ष्मी, प्रतिभा, अंजू, मीरा, मीनू, किरण, राधिका, पलक , भक्ति, हेमा,आदि महिलाएं उपस्थित रहीं।

सडक़ों पर गौवंश को खुला छोडऩे वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे: पूरन यादव

गुरुग्राम। सडक़ों पर खुले घूमते गौवंश को लेकर विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और गौ रक्षकों ने सोमवार को हरियाणा गौसेवा आयोग के उपाध्यक्ष पूरन यादव लोहचब से मिलकर उन्हें ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन देने वाले सावन टांक, अरुण कृष्ण, सुमित जेलदार, सागर पंडित, हर्ष कोहली, ललित चौहान, निखिल शर्मा, अरमान राघव, नितिन परमार , निशांत कोहली, शिवम, नवीन, रोहित कोहली, नागेश राघव और सचिन राघव शामिल रहे। इन प्रतिनिधियों ने पूरन यादव को दिए गए ज्ञापन में कहा कि सडक़ों पर गौवंश को घूमते देखकर उन्हें बहुत पीड़ा होती है। उन्होंने शहर में सडक़ों पर अपने गौवंश व अन्य पशुओं को छोडऩे वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की। इस पर हरियाणा गौसेवा आयोग के वाइस चेयरमैन पूरन यादव ने आश्वासन दिया कि इस समस्या को लेकर गौसेवा आयोग भी चिंतित है और सडक़ों पर गौवंश न रहे इसको लेकर काम किया जा रहा है। पूरन यादव ने शहर में डेयरी मालिकों और गौपालकों से निवेदन किया है कि कोई भी अपने गौवंश को सडक़ों पर ना छोड़े। उन्होंने कहा कि ऐसे डेयरी मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, जो गौवंश व अन्य पशुओं को सडक़ों पर खुला छोड़ देते हैं। 10 अप्रैल को ट्युलिप चौक पर एक गाड़ी से गाय का एक्सीडेंट हो गया था, जिसको लेकर भी ज्ञापन देने वालों ने रोष जताया। इस पर वाइस चेयरमैन पूरन यादव ने कहा कि सडक़ों से गौवंश को हटाने की प्रक्रिया जारी है। सुनिश्चित कर रहे हैं कि आगे इस तरह की दुर्घटना ना हो।

अयोध्या के लिए चली एसी बस एक सप्ताह बाद ही बंद

गुरुग्राम। रोडवेज की तरफ से एक सप्ताह पहले अयोध्या जाने के लिए शुरू की गई एसी बस की सेवा बंद कर दी गई है। रोडवेज अधिकारियों का कहना है कि आयोध्या के लिए यात्री नहीं मिलने के कारण बंद करने का फैसला लिया गया। रोडवेज ने बीते सप्ताह ही आयोध्या के लिए एसी बस शुरू की थी। इससे पहले साधारण बस का संचालन इस रूट पर किया जाता था, लेकिन उस बस को भी यात्री नहीं मिले तो वह बस भी रोडवेज ने एक माह चलाकर बंद कर दी थी। इसके बाद रोडवेज ने एसी बस का संचालन शुरू किया था, लेकिन एक सप्ताह लगातार इस रूट पर चलाने के बाद भी बस में यात्री नहीं मिले। बस में लखनऊ तक के ही कुछ यात्री मिले थे। लखनऊ से आयोध्या तक बस बिल्कुल खाली चली। इस कारण रोडवेज ने इस बस को बंद कर दिया है। ऐसे में अब यात्रियों को आयोध्या जाने के लिए कोई भी सीधी बस गुरुग्राम डिपो से नहीं मिलेगी। यात्रियों को पहले आगरा, लखनऊ जाने वाली बस पकड़ने पड़ेगी। इसके बाद लखनऊ से रोडवेज की बस लेनी होगी। रोडवेज के मुख्य निरीक्षण दीपक ने बताया कि यात्री नहीं मिलने के कारण आयोध्या जाने वाली बस को बंद किया गया है।

लिव-इन पार्टनर की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम। लिव-इन में रहने वाली महिला की हत्या करने के आरोप में पुलिस ने दोस्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। अपराध शाखा मानेसर और थाना मानेसर की पुलिस टीमों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान शिव शंकर शर्मा उर्फ काली चरण निवासी भीखमपुर जिला बलिया (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई। पूछताछ में उसने बताया कि वह मजदूरी का काम करता है और मृतका रीता के साथ लिव-इन में रहता था। रीता आईएमटी मानेसर में एक कंपनी में काम करती थी। आरोपी को रीता के किसी और के साथ संबंध होने का शक था। इस कारण 23 फरवरी की रात हत्या करने के बाद उसके शव को कंबल में लपेटकर गेहूं के खेत में फेंक दिया। थाना प्रभारी के अनुसार, महिला की हत्या के दौरान उसके दोनों बच्चे कमरे में सो रहे थे। पिता ने बताया कि उनकी बेटी से आखिरी बार 23 फरवरी को बातचीत हुई थी। मानेसर थाना प्रभारी सतेंद्र रावल ने बताया कि गांव नाहरपुर में एक महिला का शव मिलने की सूचना मिली थी। पिता ने मृतका की पहचान रीता के रूप में की। वह मूल रूप से बिहार की रहने वाली थी। पिता ने बताया कि रीता की शादी 11 साल पहले हुई थी। पांच साल पहले बेटी तथा उसका पति मानेसर के गांव नाहरपुर में आकर किराए के मकान में रहकर काम करने लगे। रीता के साथ मनमुटाव होने पर उसका पति बेटी और बच्चों को छोड़कर चला गया। उसके बाद रीता अपने दोस्त शिव शंकर उर्फ कालीचरण के साथ लिव-इन में रहने लगी।

बंदूक की नोक पर लूटपाट करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

पलवल। पलवल पुलिस ने हाईवे पर लूटपाट करने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने नेशनल हाईवे-19 पर दो युवकों से हथियार के बल पर मोबाइल और नकदी लूटी थी। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर जानकारी जुटाने में लगी है। पुलिस के बताया कि रविवार की रात राजस्थान के जिला डीग के रहने वाले साहुन और साजिद पलवल से आलाहपुर की ओर पैदल जा रहे थे। श्री जी गार्डन के पास एक बाइक पर सवार तीन युवक आए। उन्होंने देसी कट्टा दिखाकर दोनों युवकों से मोबाइल और 1200 रुपए छीन लिए। शहर थाना प्रभारी प्रकाश चंद ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि भवनकुंड चौकी पुलिस ने तीनों आरोपियों को पकड़ लिया है। आरोपियों की पहचान दुकडिया मोहल्ला के रहने वाले दिनेश उर्फ बंडू, भाटिया कॉलोनी के तरुण उर्फ तन्नू और सौरभ उर्फ गागोली के रूप में हुई है। पुलिस जांच में पता चला है कि सौरभ के खिलाफ पहले से चोरी और मारपीट के दो मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपियों से हथियार, लूट में इस्तेमाल की गई बाइक, मोबाइल और नकदी बरामद करने के लिए रिमांड लेगी। पुलिस को आशंका है कि पूछताछ में अन्य वारदातों का भी खुलासा हो सकता है।

दो गौतस्कर गिरफ्तार, चार गायें बरामद

फरीदाबाद। थाना सेक्टर-31 पुलिस टीम ने दो गौ तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चार गायों को मुक्त कराया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार रविवार देर रात को पुलिस को सूचना मिली कि एक पिकअप गाड़ी में गाय भरी हुई हैं। जांच के दौरान आरोपी पशुओं से संबंधित कोई कागजात नहीं दिखा सके। गाड़ी में क्षमता से अधिक गायें भरी हुई थीं। जानकारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में महताब और शिवम शामिल हैं। महताब उत्तर प्रदेश के उन्नाव का रहने वाला है और वर्तमान में दिल्ली के प्रेम नगर में रहता है। वहीं शिवम आगरा का रहने वाला है और फिलहाल दिल्ली के अमन विहार में रहता है। पूछताछ में पता चला कि आरोपी मेरठ से बेसहारा गायों को पकडक़र सोहना ले जा रहे थे। महताब गाड़ी का ड्राइवर है और शिवम हेल्पर है। दोनों ने स्वीकार किया कि इससे पहले भी वे गायों की अवैध सप्लाई कर चुके हैं। पुलिस ने गाड़ी को जब्त कर लिया है और दोनों आरोपियों को पूछताछ के बाद जेल भेज दिया है। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। थाना सेक्टर-31 में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और बचाई गई सभी गायों को गोशाला भेज दिया गया है।

इंवेस्टमेंट एप में निवेश के नाम पर ठगी, दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। इंवेस्टमेंट एप में पैसे निवेश कराने के मामले में साइबर थाना सेन्ट्रल की टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि साइबर अपराध थाना सेन्ट्रल में सेक्टर-17 निवासी एक व्यक्ति ने अपनी शिकायत में 22 नवंबर 2024 से 9 जनवरी 2025 तक आईएनएम वेलोसिटी ऐप पर धीरे-धीरे निवेश किए गए 75.83 लाख रुपये की ठगी का आरोप लगाया। जिस पर थाना साइबर सेंट्रल में मामला दर्ज किया गया। साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने आरोपी जेनूद्दीन वासी गांव सहदुहलेपुर, गोपालगंज, बिहार व विकास वासी कुशीनगर उ.प्र. को कुशीनगर से गिरफ्तार किया है।

खालसा पंथ की स्थापना ने लोगों में साहस और बलिदान की भावना पैदा की: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने गुरुग्राम में गुरुद्वारे में टेका मत्था, लोगों को वैसाखी की दी शुभकामनाएं

नायब सिंह सैनी ने जलियांवाला बाग हत्याकांड के शहीदों को दी श्रद्धांजलिड्ड

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी बैसाखी के अवसर पर गुरुद्वारा साध संगत साउथ सिटी-1 गुरुग्राम में आयोजित कार्यक्रम में संगत को सम्बोधित करते हुए।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी को बैसाखी के अवसर पर गुरुद्वारा साध संगत साउथ सिटी-1 गुरुग्राम में स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए।

नई दिल्ली।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने 13 अप्रैल, 1699 को खालसा पंथ की स्थापना करके लोगों में साहस और बलिदान के साथ जीने की भावना पैदा की। उन्होंने वीरता और वीर भावना को आध्यात्मिक सोच के साथ जोड़कर समाज को एक नई दिशा दी।

मुख्यमंत्री आज वैसाखी के अवसर पर गुरुग्राम के साउथ सिटी-1 स्थित गुरुद्वारा में साध संगत को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारे में मत्था टेका और सभी को इस पावन दिन की बधाई दी।

उन्होंने कहा कि वैसाखी एक बहुत ही सुंदर त्योहार है, जिसे पूरे उत्तर भारत में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। वैसाखी का त्यौहार अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग नामों से जाना जाता है। खरीफ की फसल पकने की खुशी का प्रतीक होने के कारण यह त्यौहार किसानों के लिए बहुत महत्व रखता है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने अन्याय और अत्याचार से लड़ने के लिए वैसाखी के दिन 1699 में खालसा पंथ की स्थापना की थी। उस समय देश पर मुगलों का शासन था। वे लोगों पर भयंकर अत्याचार कर रहे थे और उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया जा रहा था। समाज जाति और धर्म के आधार पर बंटा हुआ था। उस समय श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने ऐसा चमत्कार किया जो कोई साधारण मनुष्य नहीं कर सकता था। उन्होंने लोगों को अपने धर्म और सम्मान की रक्षा के लिए हर तरह का त्याग करने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खालसा पंथ की नींव रखते समय श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने देश की पांच अलग-अलग जातियों और पांच अलग-अलग क्षेत्रों से पंच प्यारों को शामिल किया था। फिर उन्होंने सभी को एक ही बर्तन से अमृत पिलाकर भेदभाव को समाप्त किया। उन्होंने कभी भी भाषा, जाति और धर्म के आधार पर मनुष्यों के बीच भेदभाव को स्वीकार नहीं किया।

मानवता की रक्षा के लिए पीढ़ियां कुर्बान हुई

गुरु गोबिंद सिंह जी स्वयं, उनके पिता श्री गुरु तेग बहादुर जी, माता गुजरी जी और उनके चार पुत्र मानवता की रक्षा करते हुए शहीद हुए। इस प्रकार एक ही परिवार की तीन पीढ़ियों के बलिदान का उदाहरण विश्व के इतिहास में बहुत कम मिलता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे इतिहास की कई घटनाएं वैसाखी के त्यौहार से भी जुड़ी हुई हैं। 13 अप्रैल 1919 को अमृतसर के जलियांवाला बाग में जनरल डायर ने शांतिप्रिय नागरिकों की निर्मम गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड ने स्वतंत्रता सेनानियों को ब्रिटिश सरकार से बदला लेने के लिए और अधिक प्रतिबद्ध बना दिया, जिसके कारण 15 अगस्त 1947 को देश को आजादी मिली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरा देश जलियांवाला बाग के महान शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है। इस अवसर पर उन्होंने हरियाणा की जनता और हरियाणा सरकार की ओर से जलियांवाला बाग के शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कुरुक्षेत्र में बनेगा सिख संग्रहालय

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2019 में श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व तथा वर्ष 2017 में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के 350वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। वर्ष 2022 में श्री गुरु तेग बहादुर जी का 400वां प्रकाश पर्व मनाया गया और पानीपत की ऐतिहासिक धरती पर राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया गया।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि कुरुक्षेत्र में 4 एकड़ क्षेत्र में सिख संग्रहालय स्थापित किया जाएगा, ताकि सिख समुदाय अपने इतिहास से जुड़ा रह सके तथा आने वाली पीढ़ियों को हमारे गुरुओं के महान बलिदानों के बारे में जानकारी मिल सके।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने करतारपुर कॉरिडोर का निर्माण किया, ताकि सिख समुदाय पाकिस्तान में करतारपुर साहिब गुरुद्वारा जा सके, जहां गुरु नानक देव जी ने अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा बिताया था।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने सिरसा में गुरुद्वारा चिल्ला साहिब के समीप स्थित एक शिक्षण संस्थान की जमीन भी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को हस्तांतरित कर दी है, जिससे गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हो गई है। गुरु नानक देव जी ने वहां 40 दिनों तक ध्यान लगाया था और सिरसा में ही रहे थे। उन्होंने कहा कि यमुनानगर जिले के लोहगढ़ में विश्व स्तरीय बाबा बंदा सिंह बहादुर स्मारक बनाया जाएगा, जो उनकी बहादुरी और बलिदान की वीर गाथा को दर्शाएगा।

गुरुद्वारा प्रबंधन कर रहा है नेक सेवा

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुग्राम गुरुद्वारा वर्ष 2000 में जमीन के एक छोटे से टुकड़े पर शुरू हुआ था, लेकिन गुरुओं के आशीर्वाद से आज यह विशाल हो गया है और भविष्य में यह और भी भव्य बनेगा। उन्होंने कहा कि गुरुद्वारा प्रबंधन द्वारा उनके समक्ष जो भी मांगें रखी गई हैं, उन्हें जल्द ही पूरा किया जाएगा, जिसमें अतिरिक्त जमीन की मांग भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारे के लिए 21 लाख रुपये के अनुदान की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि गुरुद्वारा द्वारा चलाए जा रहे वेलनेस सेंटर में नेक सेवा की जा रही है, क्योंकि बड़ी संख्या में गरीब मरीज रोजाना इसकी ओपीडी में आते हैं और इलाज कराते हैं।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हो रहा भारत का विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का निरंतर विकास हो रहा है और यही कारण है कि आज हेमकुंड साहिब जैसे गुरुद्वारों के दर्शन करना बहुत आसान हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री 14 अप्रैल को हरियाणा आएंगे और हिसार में महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से हवाई सेवा का शुभारंभ करेंगे तथा यमुनानगर में दीनबंधु छोटू राम थर्मल पावर प्लांट की तीसरी इकाई का शिलान्यास करेंगे।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने पंजाब के आनंदपुर साहिब का भी दौरा किया तथा वैसाखी के अवसर पर वहां गुरुद्वारे में मत्था टेका।

उत्तराखंड में भीषण सड़क हादसा, तीन लोगों की दर्दनाक मौत

इंडिया सावधान न्यूज

उत्तरकाशी। उत्तराखंड में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा हादसा उत्तरकाशी जनपद में हुआ है, जहां सोमवार तड़के एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। इस दर्दनाक हादसे में वाहन में सवार तीन लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना उत्तरकाशी के बड़कोट तहसील अंतर्गत चामी बनीगाड़ क्षेत्र की बताई जा रही है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमला सक्रिय हो गया। पुलिस, एसडीआरएफ और 108 एम्बुलेंस की टीम घटनास्थल के लिए तुरंत रवाना हुई और रेस्क्यू अभियान चलाया गया हादसे में मृतकों की पहचान नौशाद पुत्र नूर मोहम्मद निवासी जीवनगढ़ थाना विकासनगर देहरादून, प्रवीण जैन पुत्र चमन लाल निवासी जीवनगढ़ थाना विकासनगर देहरादून और अजय शाह पुत्र बरगी नाथ निवासी चौबेया थाना सासाराम जिला रोहतास, बिहार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार पिकअप वाहन संख्या ल्ढ-17 ॠ0319 पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। एसडीआरएफ द्वारा रेस्क्यू कार्य जारी है और मृतकों के शवों को खाई से बाहर निकाला जा चुका है। प्रशासन द्वारा हादसे के कारणों की जांच की जा रही है, साथ ही मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

शराब पीने और तेज म्यूजिक बजाने पर विवाद, बुजुर्ग को पीटा

फरीदाबाद। फरीदाबाद के एनआईटी इलाके में एक परिवार पर बदमाशों ने जानलेवा हमला किया। घटना रविवार रात तीन बजे की है। कुछ युवक घर के बाहर कार में शराब पी रहे थे और तेज आवाज में गाने बजा रहे थे। जब बुजुर्ग जगदीश चोपड़ा ने इसका विरोध किया, तो गोल्डी भाटिया, अभय भाटिया और कालू भाटिया ने उन पर क्रिकेट बैट से हमला कर दिया। बदमाशों ने जगदीश के सिर पर शराब की बोतल भी दे मारी। साथ ही उनकी कार के शीशे भी तोड़ दिए। गंभीर रूप से घायल जगदीश को बादशाह खान सिविल अस्पताल ले जाया गया। वहां भी बदमाशों ने उत्पात मचाया और कालू भाटिया नाम के व्यक्ति को कार से कुचल दिया, जिससे उसके पैर में फ्रैक्चर हो गया। जगदीश चोपड़ा के बेटे मयंक ने बताया कि कुछ युवक उनके घर के बाहर जोर-जोर से गाड़ी में म्यूजिक चलाकर उन्हें डिस्टर्ब कर रहे जिसका जब उनके पिता जगदीश चोपड़ा ने विरोध किया तो कार सवार बदमाशों गोल्डी भाटिया,अभय भाटिया और कालू भाटिया ने उनपर क्रिकेट बैट से जानलेवा हमला कर दिया। उनके घर के बाहर खड़ी कार पर बैट से हमला कर उसके सारे शीशे तोड़ दिए इतना ही नहीं बदमाशों ने उनके ऊपर बैठ से हमला कर दिया और सिर में शराब की बोतल मार दी जिनको चलते हैं उन्हें काफी गंभीर चोटें आई। आनन-फानन में फरीदाबाद के बादशाह खान सिविल अस्पताल में लेकर जाया गया। वहां पर भी बदमाशों ने अपनी कार से काले भाटिया को टक्कर मार कर उसका पैर तोड़ दिया। उनके पिता जगदीश और घायल काले भाटिया को फरीदाबाद के अलग अलग अस्पतालों में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है, जहां पर दोनों का इलाज चल रहा है। थाना कोतवाली के एसएचओ इंस्पेक्टर मनजीत सिंह ने बताया कि घायलों के बयान के आधार पर तीन हमलावरों के खिलाफ स्नढ्ढक्र दर्ज कर ली गई है शिकायत और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर जो भी कार्रवाई होगी वह अमल में लाई जाएगी।

नैनीताल जिले में 21 मदरसे सील, एक मदरसे का अधिग्रहित

इंडिया सावधान न्यूज

हल्द्वानी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में दूसरे दिन सोमवार को भी हल्द्वानी नगर क्षेत्रातर्गत बिना पंजीकृत अवैध रूप से चल रहे मदरसों पर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा सयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए दूसरे दिन 4 मदरसों को सील किया। दोनों दिनों चलाए गए अभियान में कुल 17 मदरसे सील किए गए 1 मदरसे का अधिग्रहण किया गया। नैनीताल जिले में अब तक कुल 21 मदरसे पर कार्यवाही की जा चुकी है।अपर जिलाधिकारी विवेक कुमार राय के नेतृत्व में प्रशासन की टीम द्वारा अवैध रूप से चल रहे इन मदरसों को सील किया गया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी विवेक रॉय ने अवगत कराया कि प्राप्त निर्देशों के क्रम में पूर्व में जिला प्रशासन, पुलिस एवं अन्य विभागों की टीम द्वारा जिले में इन मदरसों की सर्वे की गई, जिसमें हल्द्वानी क्षेत्र अंतर्गत कुल 18 मदरसे मिले जो बिना पंजीकरण, मान्यता के अवैध रूप से संचालित किए जा रहे थे, जो नियम विरुद्ध थे, उन्हें सील किया गया। इन दो दिनों में इन सभी चिन्हित किए गए मदरसों पर कार्यवाही की गई। उन्होंने अवगत कराया कि इसके अतिरिक्त जिले के कालाढूंगी क्षेत्र में भी पूर्व में तीन मदरसे सील किए गए, जिनका अवैध रूप से संचालन किया जा रहा था। इस दौरान पुलिस अधीक्षक सिटी प्रकाश चन्द्र, सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी, नगर आयुक्त ऋचा सिंह, उप जिलाधिकारी परितोष वर्मा, रेखा कोहली, पुलिस क्षेत्राधिकारी नितिन लोहनी, तहसीलदार मनीषा बिष्ट, कुलदीप पाण्डे, जिला समाज कल्याण अधिकारी विश्वनाथ सहित विभिन्न थानाध्यक्ष व अन्य उपस्थित रहे।

दो नशा तस्कर गिरफ्तार, गांजा व स्मैक बरामद

फरीदाबाद। पुलिस ने दो नशा तस्करों को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी स्मैक को अलग-अलग जगहों से बेचने के लिए लेकर आए थे। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपी देवेन्द्र वृंदावन मथुरा में किसी शख्स से 6.53 ग्राम स्मैक 12 हजार रूपए में, जबकि दूसरा आरोपी वकील दिल्ली सदर बाजार से 366 ग्राम गांजा 4 हजार रूपए में खरीदकर लाया था। क्राइम ब्रांच सेन्ट्रल की टीम ने आरोपी देवेन्द्र को चंदावली पुल, बल्लभगढ और दूसरे आरोपी वकील को क्राइम ब्रांच सेक्टर 85 की टीम ने नजदीक सब्जी मंडी खेड़ीपुल एरिया से गिरफ्तार किया है। आरोपी वकील फरीदाबाद की आदर्श कॉलोनी का रहने वाला है। जबकि देवेन्द्र बल्लभगढ़ के गांव सागपुर का रहने वाला है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि दोनों नशा खरीदकर बेचने के लिए लेकर आए थे। उन्होंने कहा कि आरोपियों से पुलिस की पूछताछ जारी है और इस धंधे से जुड़े दूसरे लोगों को भी गिरफ्तार किया जाएगा।

कंपनी कर्मचारी के साथ लाखों की ठगी करने वाला एक और आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। कम्पनी कर्मचारी के साथ 30 लाख का फ्राड करने के मामले में खाता उपलब्ध कराने वाले एक और आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले में अब तक छह आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

वजीरपुर फ्लाईओवर की बदहाली पर नहीं है किसी की नजर

-फ्लाईओवर के टूटे पड़े हैं खंभे, किनारों पर जमी पड़ी है मिट्टी

-फ्लाईओवर बनने के बाद ना कभी सफाई हुई ना कोई मैंटेनेंस

गुरुग्राम, 14 अप्रैल (वेब वार्ता)।

गुरुग्राम से वाया वजीरपुर फर्रुखनगर, झज्जर जाने वाले वाहनों की सहूलियत के लिए बनाया गया वजीरपुर रेलवे फाटक फ्लाईओवर बदहाल हो चुकी है। इसकी बदहाली देखने से लगता है कि बनाने के बाद से लेकर अब तक उसकी शायद मैंटेनेंस ही नहीं की गई। भाजपा की 2014 में पहली बार बनी सरकार में कैबिनेट मंत्री बनें राव नरबीर सिंह ने वजीरपुर फ्लाईओवर को डबल बनाने की घोषणा भी की थी, लेकिन घोषणा सिर्फ घोषणा ही रह गई। पटौदी व फर्रुखनगर, झज्जर रोड पर बड़ी कंपनियों ने अपने वेयर हाउस बना लिए हैं। बहुत से वेयर हाउस निर्माणाधीन हैं। ऐसे में यह रास्ता दिन-रात व्यस्त रहता है। वाहनों की आवाजाही यहां चौबीस घंटे रहती है। सबसे अधिक यहां से बड़े वाहन ही आते-जाते हैं। उन वाहनों के कारण यहां सड़कें भी टूट रही हैं और फ्लाईओवर भी क्षतिग्रस्त हो रहा है।

बहुत ही बदहाल स्थिति में वजीरपुर फ्लाईओवर है। इस फ्लाईओवर की बदहाली किसी से छिपी नहीं है। यहां की बदहाली देखकर यह कहा जा सकता है कि इसकी मैंटेनेंस शायद ही कभी हुई हो। ग्रामीण क्षेत्र में होते हुए इस फ्लाईओवर की दुर्गति हो चुकी है। फ्लाईओवर के दोनों तरफ एक फुट से भी अधिक मिट्टी चढ़ी हुई है, इससे यहां से लोग पैदल नहीं निकल सकते। पैदल चलने वाली पटरी पूरी तरह से मिट्टी से अट चुकी है। फ्लाईओवर की सडक़ में जगह-जगह गड्ढे बने हुए हैं। दोनों तरफ की दीवार पर लगे कई खंभे भी क्षतिग्रस्त हैं। कोई खंभा यहां पूरी तरह से टेढ़ा होकर गिरने को है तो कोई पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है। यहां की लाइट्स को काफी समय से जलती ही नहीं। गुरुग्राम से झज्जर की तरफ जाने के लिए यह मुख्य फ्लाईओवर है। इसके बाद भी इसकी बदहाली किसी को नजर नहीं आ रही। दीवारों पर लंबे समय से पेंट ही नहीं हुआ है।

डबल बनाने की घोषणा भी ठंडे बस्ते में गई

वजीरपुर के फ्लाईओवर को भाजपा सरकार 1.0 में कैबिनेट मंत्री रहे राव नरबीर सिंह ने डबल बनाने की घोषणा की थी। वह घोषणा अब तक घोषणा ही बनकर रह गई है। डबल बनाना तो दूर सिंगल की देखरेख भी नहीं की जा रही।

15-04-2025 ISN:Layout 1 4/15/2025 7:26 AM Page 6

संपादकीय

प्रदूषण से जंग

दिल्ली में प्रदूषण से जूझने और धूल-मिट्टी को दबाने के लिए पानी का छिड़क ाव करने वाले यंत्र लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विशेष साक्षात्कार के दौरान कहा कि उनकी सरकार सुनिश्चित करेगी कि पानी का छिड़काव करने वाले उपकरण और स्मॉग गन पूरे साल काम करें। दिल्ली की हवा में धूल का बड़ा योगदान है। धूल सिर्फ सर्दियों में ही नहीं, बल्कि गर्मियों में लू चलने के दौरान भी उड़ती देखी जाती है। अब सरकार एक हजार वाटर स्प्रिंकलर चलाएगी। चूंकि दिल्ली में नगर निगम के ढ़ाई सौ वार्ड हैं। इसलिए हर वार्ड में चार स्प्रिंकलर स्ट्रीट लाइट के खंभों पर लगाने की योजना है। दिल्ली में वायु प्रदूषण बड़ा मुद्दा बन चुका है। विधानसभा चुनाव के दरम्यान भाजपा ने इस पर केजरीवाल सरकार को घेरा भी खूब था। इससे निपटने के लिए गुप्ता सरकार कई योजनाएं ला रही है, जिनमें इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना, पुराने वाहनों को रोकना और सार्वजनिक यातायात को सुचारू बनाना शामिल है। पिछले दिनों नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग की रपट वाहनों से होने वाले प्रदूषण के जारी होने के बाद गुप्ता सरकार और भी आक्रामक नजर आ रही है। दिल्ली में अड़क्षतालिस हजार इलेक्ट्रिक वाहन के चार्जिंग स्टेशन की बात भी सामने आई है। इसे सार्थक कदम कहा जा सकता है कि सरकार स्वच्छ व पर्यावरणनुकूल वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रति उत्साहित नजर आ रही है। मगर इसका खमियाजा भी जनता को ही भुगतना पड़ता है। वाहन प्रदूषण से दिल्लीवासियों को बचाने वाले तरीके उनकी जेब खाली कराने वाले भी बन सकते हैं। पुराने वाहन चालकों को जब मजबूरन नये वाहन खरीदने पड़ेंगे तो वे सरकार के प्रति नाराजगी के भाव से भर सकते हैं। दिल्ली-एनसीआर में बड़ा वर्ग टैक्सियां व कैब्स चलाता है, मोटरसाइकलों-छोटे माल वाहकों के भरोसे रोजी-रोटी कमाता है, उसे लगने वाले झटके से कैसे बचा जा सकता है। जल छिड़क ाव की जहां तक बात है तो इन्हें भरने व सुरक्षित रख-रखाव का बोझ अतिरिक्त होगा। व्यावसायिक निर्माण, टूटी सड़कें, गलियां व फुटपाथों को सुधार कर धूल से निपटान को प्राथमिकता देना सीखना होगा।

चिंतन-मनन

अमिट है कर्म का फल

यदि कर्म का फल तुरंत नहीं मिलता है तो यह नहीं समझना चाहिए कि उसके भले-बुरे परिणाम से हम सदा के लिए बच गये। कर्मफल ऐसा अमिट तथ्य है जो आज नहीं तो कल भुगतना ही पड़ेगा। कभी-कभी परिणाम में देर इसलिए होती है क्योंकि ईश्वर मानवीय बुद्धि की परीक्षा चाहता है कि व्यक्ति कर्त्तव्य धर्म समझने और निष्ठापूर्वक पालन करने लायक विवेक बुद्धि संचय कर सका है या नहीं। जो दंड भय बिना सदा सत्कर्मो तक सीमित रहता है, समझना चाहिए उसने सज्जनता की परीक्षा पास कर पशुता से देवत्व की ओर बढ़ने का शुभारंभ कर दिया। दंडभय से तो विवेक रहित पशु को भी अवांछनीय मार्ग पर चलने से रोका जा सकता है। मानवीय अंतःकरण की विकसित चेतना तभी अनुभव की जा सकेगी, जब वह कुमार्ग पर चलने से रोक सन्मार्ग के लिए प्रेरणा प्रदान करे।

यदि हर काम का तुरंत दंड मिलता और ईश्वर बलपूर्वक किसी मार्ग पर चलने के लिए विवश करता तो फिर मनुष्य भी पशु-श्रेणी में होता और उसकी स्वतंत्र आत्म चेतना विकसित हुई या नहीं, इसका पता नहीं चलता। ईश्वर या खुदा ने मनुष्य को भले-बुरे कर्म की स्वतंत्रता इसीलिए दी है कि वह विवेक विकसित कर भले-बुरे का अंतर सीख पथ निर्माण में समर्थ हो। विवेक व कर्त्तव्य परायणता दो ही कसौटी हैं मनुष्यता के आत्मिक स्तर विकसित होने की। इस विकास पर ही जीवनोद्देश्य की पूर्ति और मनुष्य जन्म की सफलता निहित है।

यदि ईश्वर को प्रतीत होता कि बुद्धियुक्त मनुष्य पशुओं जैसा ही मूर्ख रहेगा तो शायद उसने उसके लिए भी दंड की व्यवस्था सोची होती। झूठ बोलते ही जीभ में छाले पड़ने, चोरी करते ही हाथ में फोड़ा होने जैसे दंड की तुरत-फुरत व्यवस्था होती तो किसी के लिए भी दुष्कर्म करना संभव न होता लेकिन ऐसे में मनुष्य की स्वतंत्र चेतना, विवेक बुद्धि व आंतरिक महानता विकसित होने का अवसर ही न आता और आत्म विकास के बिना पूर्णता का लक्ष्य पाने की दिशा में प्रगति न होती। अतः परमेर के लिए उचित था कि मनुष्य को अपना सबसे बुद्धिमान और जिम्मेदार बेटा

बेलगाम फीस की वसूली- प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर लगाम कब लगेगी?

इशाकत अली खान, प्रधान संपादक

प्राइवेट स्कूलों द्वारा फीस में बेलगाम बढ़ोतरी की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। प्राइवेट स्कूलों के संचालकों में मुनाफा कमाने का लालच इस कदर बढ़ता जा रहा है कि वे सारी सीमाओं को तोड़ते जा रहे हैं। स्कूल से जबरदस्ती महंगी किताबें खरीदने के लिए मजबूर करने का मामला हो या फिर तय की गई दुकानों से ही घटिया क्वालिटी की ड्रेस ज्यादा कीमत पर खरीदने का दबाव हो, ऐसा लगता है कि इनपर कोई कानून या नियम लागू नहीं होता है।

प्राइवेट स्कूलों की लॉबी इतनी ज्यादा मजबूत हो गई है कि अब इन्हें सरकारों का भी कोई भय नहीं रहा है। शुक्रवार को दिल्ली के एक नामी-गिरामी स्कूल से ऐसी खबर आई जिसने सबको स्तब्ध कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दिल्ली के एक बड़े स्कूल ने तो बच्चों को ही बंधक बना लिया था। बताया जा रहा है कि दिल्ली के एक बड़े स्कूल में फीस बढ़ोतरी को लेकर वहां पढ़ने वाले बच्चों के अभिवावक प्रदर्शन कर रहे थे और इस बीच स्कूल के प्रबंधकों ने कुछ बच्चों को लाइब्रेरी में बंधक बना लिया। एक न्यूज चैनल ने तो यहां तक दावा किया है कि बच्चों को लाइब्रेरी में बंद करने के मामले की जांच साउथ वेस्ट डीएम लक्ष्य सिंहल ने की और उन्होंने यह भी माना कि जब वे जांच करने स्कूल पहुंचे तो उन्होंने खुद बच्चों को लाइब्रेरी में बैठे हुए पाया। डीएम ने जांच की रिपोर्ट शिक्षा विभाग को भेज दी है। उम्मीद करते हैं कि दिल्ली की बीजेपी सरकार इस स्कूल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए एक उदाहरण सेट करेगी ताकि भविष्य में कोई भी स्कूल इस तरह की हरकत करने के बारे में सोच भी नहीं सके।

दिल्ली के कई प्राइवेट स्कूलों के बाहर मनमानी फीस बढ़ोतरी के खिलाफ अभिवावक प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। वहीं वसंतकुंज स्थित एक प्राइवेट स्कूल ने तो अभिभावकों के स्कूल परिसर में आने पर प्रतिबंध तक लगा दिया है। सही मायनों में कहा जाए तो यह स्कूलों की तानाशाही है और इस देश की सरकारों और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर कई तरह के सवाल खड़े करती है।

देश की राजधानी दिल्ली में 1700 के लगभग प्राइवेट स्कूल हैं। इनमें सरकारी जमीन पर बने प्राइवेट स्कूल 448 हैं। सरकार द्वारा बनाए गए नियम के हिसाब से सभी स्कूलों को हर साल फाइनेंशियल स्टेटमेंट देना जरूरी होता है। अगर शिक्षा निदेशालय को फीस बढ़ोतरी गलत लगती है, तो वो इसे रोक सकती है और स्कूल को बढ़ी हुई फीस अभिवावकों को वापस देनी होगी।

लेकिन सरकार चुप है, अधिकारी अपना काम नहीं कर रहे हैं और इसका नतीजा स्कूलों की मनमानी के रूप में सामने आ रहा है। बताया जा रहा है कि दिल्ली के कई प्राइवेट स्कूलों ने 10 प्रतिशत से लेकर 30 प्रतिशत तक फीस बढ़ा दी है। ये स्कूल ट्यूशन फीस, डिवेलपमेंट फीस, ट्रांसपोर्ट फीस के अलावा ओरिएंटेशन फीस, एसी, स्कूल ऐप और स्मार्ट क्लास के नाम पर भी तगड़ी वसूली कर रहे हैं।

दिल्ली की बीजेपी सरकार के लिए यह एक बड़ी चुनौती से कम नहीं है। क्योंकि उनकी सरकार बनने के बाद शुरू हुए स्कूलों के नए सत्र में ही यह फीस बढ़ोतरी की गई है। ऐसे में स्वाभाविक तौर पर दिल्ली के लोगों को यह लगने लगा है कि भाजपा की सरकार बनने के बाद ही दिल्ली के प्राइवेट स्कूलों के मालिकों में मनमानी करने की हिम्मत आ गई है। यह बात अगर दिल्लीवासियों के मन में बैठ गई तो फिर बीजेपी के लिए मुश्किलें खड़ी हो जाएगी। आम आदमी पार्टी इसे एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश लगातार कर रही है। समय की यह मांग है कि सरकार आगे आए और इन प्राइवेट स्कूलों की दादागिरी, मनमानी और तानाशाही भरे रवैए पर रोक लगाए या फिर कड़ी कार्रवाई करें। हालांकि यह भी एक कड़वी सच्चाई है कि प्राइवेट स्कूलों की यह मनमानी किसी एक शहर या किसी एक राज्य तक ही सीमित भर नहीं है।

आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर आज हर देश पर्यावरण समस्याओं का सामना कर रहा है जिसका समाधान खोजने उसपर अमल करने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सभी देश एकत्रित होकर पर्यावरण की सुरक्षा के मुद्दों पर अनेक उपायों की चर्चा कर उसके क्रियान्वयन करने में लगे हुए हैं जिसमें पेरिस समझौता सहित अनेक ऐसे समझौते शामिल हैं जो मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

साथियों बात अगर हम भारत की करें तो भारत न केवल हर अन्तर्राष्ट्रीय मंचों से पर्यावरण की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान और सहयोग प्रदान कर रहा है बल्कि घरेलू स्तरपर भी अनेक लक्ष्यों को भी अपने टारगेट समय से पूर्व पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्तरपर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अनेक सामाजिक, सरकारी, सरकारी, निजी संस्थाएं कार्य कर रही है परंतु अगर वास्तव में हमें पर्यावरण को सुरक्षित करना है तो हर नागरिक को इस पर्यावरण सुरक्षा संबंधी यज्ञ में अपने सहयोग रूपी आहुति देनी होगी और अभियान चलाकर, आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें!! का नारा देना होगा! मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा तथा अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी ऐसी सोच रखनी होगी।

साथियों बात अगर माननीय केंद्रीय रक्षा मंत्री द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी, विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकीयों को खोजने तथा ऐसे नवोन्मेषण करने की अपील की जो पर्यावरण के अनूकूल मूल्यों को बनाये रखेंगे। उन्होंने कहा, हमें प्रकृति का साथी बन जाना चाहिए तथा जीवों के साथ साथ प्रकृति के निर्जीव तत्वों के प्रति भी श्रद्धा और सम्मान की भावना रखनी चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि धीरे धीरे मानव सभ्यता हमारे समय की पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर करेगी तथा हम सभी के लिए एक खुशहाल, समृद्ध, न्यायसंगत तथा टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी।

उन्होंने पर्यावरण के क्षरण पर चिंता जताई और कहा कि पृथ्वी के इकोसिस्टम का निर्माण इस तरह से किया गया है कि किसी एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में प्रभाव केवल उसी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह पूरे विश्व को सन्निहित कर लेता है। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए हमारे सामने कार्बन उत्सर्जन का मामला है। भले ही यह एक देश में हो रहा हो, निश्चित रूप से यह अन्य सभी देशों को प्रभावित कर रहा है। यही कारण है कि वैश्विक पर्यावरण सुरक्षा के संबंध में, सभी शिखर सम्मेलन, सम्मेलन, संधियां तथा समझौते, चाहे वह रियो समिट हो या डेजर्टिफिकेशन से मुकाबला करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, जलवायु परिवर्तन कन्वेंशन, क्योटो प्रोटोकॉल या पेरिस सम्मेलन, वे सभी समान रूप से एक सुर में कार्य करने के लिए विश्व के सभी देशों का मार्गदर्शन करते हैं। एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में, भारत ने अपनी परंपरा और संस्कृति से निर्देशित होकर निरंतर मृदा संरक्षण क लिए कार्य किया है। केवल मिट्टी पर ध्यान केंद्रित करने के जरिये मृदा संरक्षण नहीं किया जा सकता। हमने इससे जुड़े सभी घटकों जैसे वनीकरण, वन्य जीवन, आर्द्र भूमि आदि को संरक्षित करने और बढ़ाने का कार्य किया है। केवल सामूहिक प्रयासों से ही सामूहिक समस्याओं का निदान संभव होगा। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम सभी मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करने का प्रयास करें और एक साथ मिल कर एक बेहतर विश्व की ओर बढ़ें।

उन्होंने मिट्टी बचाओ अभियान को उम्मीद की किरण बताया क्योंकि इससे यह विश्वास पैदा होता है कि इस अभियान के माध्यम से विश्व भर के लोग आने वाले समय में मृदा के स्वास्थ्य को बनाये रखने में योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल मिट्टी की रक्षा करने बल्कि मानव सभ्यता एवं संस्कृति को संरक्षित करने का भी एक प्रयास है।

उन्होंने पर्यावरणीय समस्याओं को दूर करने के लिए प्रेरित करने के अतिरिक्त लोगों को योग के माध्यम से अधिक प्रसन्नचित्त तथा अधिक सार्थक जीवन जीवन जीना सिखाने के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा, वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देकर भारत ने अपनी सीमा के भीतर रहने वाले लोगों को ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लोगों को अपना परिवार माना है। श्री सद्गुरु ने अपने काम से निश्चित रूप से एक नया पर्यावरण आंदोलन पैदा करने के लिए वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को जीवंत बनाया है। उन्होंने कहा, वह मिट्टी बचाओ जैसे अभियानों तथा अध्यात्मिकता के माध्यम से दिव्य संदेश दे रहे हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें। मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा। अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी सराहनीय सोच है।

(-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र)

राष्ट्र के सजग पथ प्रदर्शक थे डॉ. आम्बेडकर

रमेश सर्राफ धमोरा

देश में हर वर्ष 14 अप्रैल को बाबासाहेब डा.भीमराव आम्बेडकर की जयन्ती मनायी जाती है। बाबासाहेब की जयन्ती पर लोगों को संकल्प लेना चाहिये कि हम सब सच्चे मन से उनके बताये मार्ग का अनुशरण करेगें। उनके बनाये संविधान का पालन करेगें। ऐसा कोई काम नहीं करेगें जिससे देश के किसी कानून का उल्लघंन होता हो। चूंकि बाबासाहेब हमेशा जाति प्रथा, ऊंच नीच की बातों के विरोधी थे। इसलिये उनकी जयन्ती पर उनको श्रधांजली देने का सबसे अच्छा तरीका है उनके सिद्धांतो को अपने जीवन में अपनाये।

बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर हमारे देश के संविधान के निमार्ता ही नहीं अपितु दुनिया के सबसे बड़े राजनेताओं में से एक थे। उनकी दूर दृष्टि, उनके ज्ञान, लोगों को समझने का उनका नजरिया, जाति प्रथा के विरुद्ध उनके तेवर को देखते हुए ही उन्हें भारतीय संविधान सभा का अध्यक्ष चुना गया था। ताकि भारत का संविधान दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संविधान में से एक हो। आज हम देखते हैं कि बाबा साहेब आम्बेडकर के नेतृत्व में रचित भारत का संविधान हमारे लोकतंत्र का एक सजग प्रहरी बनकर खड़ा हुआ है। जहां कहीं भी सरकार द्वारा नियम विरुद्ध कुछ किया जाता है तो संविधान उन्हें उनके कर्तव्य पथ की याद दिलाकर सही राह पर चलने की प्रेरणा देता है। भारत का संविधान आज दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संविधान में से एक माना जाता है जिसका श्रेय बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर को जाता है।

डॉ. भीमराव आम्बेडकर का जीवन दर्शन आज भी प्रासंगिक है क्योंकि इसने भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवस्था को आकार देने में मदद की। पुरानी और पुरातन मान्यताओं से प्रगति लाकर भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बनाया। बाबासाहेब भीमराव आम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के मऊ में एक गरीब परिवार मे हुआ था। वो भीमराव रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की 14 वीं सन्तान थे। उनका परिवार मराठी था जो महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले मे स्थित अम्बावडे नगर से सम्बंधित था। उनके बचपन का नाम रामजी सकपाल था। वे हिंदू महार जाति के थे जो अछूत कहे जाते थे। उनकी जाति के साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था। एक अस्पृश्य परिवार में जन्म लेने के कारण उनको बचपन कष्टों में बिताना पड़ा था।

देश में हर वर्ष 14 अप्रैल को बाबासाहेब डा.भीमराव आम्बेडकर की जयन्ती मनायी जाती है। बाबासाहेब की जयन्ती पर लोगों को संकल्प लेना चाहिये कि हम सब सच्चे मन से उनके बताये मार्ग का अनुशरण करेगें। उनके बनाये संविधान का पालन करेगें। ऐसा कोई काम नहीं करेगें जिससे देश के किसी कानून का उल्लघंन होता हो। चूंकि बाबासाहेब हमेशा जाति प्रथा, ऊंच नीच की बातों के विरोधी थे। इसलिये उनकी जयन्ती पर उनको श्रधांजली देने का सबसे अच्छा तरीका है उनके सिद्धांतो को अपने जीवन में अपनाये।

बाबा साहेब आम्बेडकर कुल 64 विषयों में मास्टर थे। वे हिन्दी, पाली, संस्कृत, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, मराठी, पर्शियन और गुजराती जैसे 9 भाषाओं के जानकार थे। इसके अलावा उन्होंने लगभग 21 साल तक विश्व के सभी धर्मों की तुलनात्मक रूप से पढाई की थी। डॉक्टर आम्बेडकर अकेले ऐसे भारतीय है जिनकी प्रतिमा लंदन संग्राहलय में कार्ल मार्क्स के साथ लगाई गई है। इतना ही नहीं उन्हें देश विदेश में कई प्रतिष्ठित सम्मान भी मिले है। भीमराव आंबेडकर के पास कुल 32 डिग्री थी। डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर के निजी पुस्तकालय राजगृह में 50 हजार से भी अधिक किताबें थी। यह विश्व का सबसे बडा निजी पुस्तकालय था।

बाबा साहब का मानना था कि वर्गहीन समाज गढने से पहले समाज को जाति विहीन करना होगा। आज महिलाओं को अधिकार दिलाने के लिए हमारे पास जो भी संवैधानिक सुरक्षाकवच, कानूनी प्रावधान और संस्थागत उपाय मौजूद हैं। इसका श्रेय किसी एक मनुष्य को जाता है वे हैं डॉ. भीमराव आम्बेडकर। भारतीय संदर्भ में जब भी समाज में व्याप्त जाति, वर्ग और लिंग के स्तर पर व्याप्त असमानताओं और उनमें सुधार के मुद्दों पर चिंतन हो तो डॉ. आंबेडकर के विचारों और दृष्टिकोण को शामिल किए बिना बात पूरी नहीं हो सकती।

भारतीय संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव आम्बेडकर का सपना था कि भारत जाति-मुक्त हो, औद्योगिक राष्ट्र बने, सदैव लोकतांत्रिक बना रहे। लोग आम्बेडकर को एक दलित नेता के रूप में जानते है। जबकि उन्होने बचपन से ही जाति प्रथा का खुलकर विरोध किया था। उन्होने जातिवाद से मुक्त आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ भारत का सपना देखा था। मगर देश की गन्दी राजनीति ने उन्हे सर्वसमाज के नेता के बजाय दलित समाज का नेता के रूप में स्थापित कर दिया। डा.आम्बेडकर का एक और सपना भी था कि दलित धनवान बनें। वे हमेशा नौकरी मांगने वाले ही न बने रहें अपितु नौकरी देने वाले बनें।

भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो आम्बेडकर संभवतः पहले अध्येता रहे हैं। जिन्होंने जातीय संरचना में महिलाओं की स्थिति को समझने की कोशिश की थी। उनके संपूर्ण विचार मंथन के दृष्टिकोण में सबसे महत्वपूर्ण मंथन का हिस्सा महिला सशक्तिकरण था। आम्बेडकर यह बात समझते थे कि स्त्रियों की स्थिति सिर्फ ऊपर से उपदेश देकर नहीं सुधरने वाली, उसके लिए कानूनी व्यवस्था करनी होगी। हिंदू कोड बिल महिला सशक्तिकरण का असली आविष्कार है। इसी कारण आंबेडकर हिंदू कोड बिल लेकर आये थे। हिंदू कोड बिल भारतीय महिलाओं के लिए सभी मर्ज की दवा थी। पर अफसोस यह बिल संसद में पारित नहीं हो पाया और इसी कारण आम्बेडकर ने कानून मंत्री पद का इस्तीफा दे दिया था।

डा.भीमराव आम्बेडकर का मानना था कि भारतीय महिलाओ के पिछड़ेपन की मूल वजह भेदभावपूर्ण समाज व्यवस्था और शिक्षा का अभाव है। शिक्षा में समानता के संदर्भ में आंबेडकर के विचार स्पष्ट थे। उनका मानना था कि यदि हम लडकों के साथ-साथ लड़कियों की शिक्षा पर ध्यान देने लग जाए तो प्रगति कर सकते है। शिक्षा पर किसी एक ही वर्ग का अधिकार नहीं है। समाज के प्रत्येक वर्ग को शिक्षा का समान अधिकार है। नारी शिक्षा पुरुष शिक्षा से भी अधिक महत्वपूर्ण है। चूंकि पूरी पारिवारिक व्यवस्था की धुरी नारी है उसे नकारा नहीं जा सकता है।

जब 15 अगस्त 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली नई सरकार बनी तो उसमें डा.आम्बेडकर को देश का पहले कानून मंत्री नियुक्त किया गया। 29 अगस्त 1947 को डा.आम्बेडकर को स्वतंत्र भारत के नए संविधान की रचना कि लिए बनी संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष नियुक्त किया गया। 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा ने उनके नेतृत्व में बने संविधान को अपना लिया। अपने काम को पूरा करने के बाद बोलते हुए डा.आम्बेडकर ने कहा मैं महसूस करता हूं कि भारत का संविधान साध्य है, लचीला है पर साथ ही यह इतना मजबूत भी है कि देश को शांति और युद्ध दोनों समय जोड़ कर रखने में सक्षम होगा। मैं कह सकता हूं कि अगर कभी कुछ गलत हुआ तो इसका कारण यह नही होगा कि हमारा संविधान खराब था बल्कि इसका उपयोग करने वाला मनुष्य ही गलत था। आम्बेडकर ने 1952 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप मे लोक सभा का चुनाव लड़ा पर हार गये। मार्च 1952 मे उन्हें राज्य सभा के लिए मनोनित किया गया। अपनी मृत्यु तक वो उच्च सदन के सदस्य रहे।

डा.आम्बेडकर ने 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में अपने लाखों समर्थकों के साथ एक सार्वजनिक समारोह में एक बौद्ध भिक्षु से बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया। राजनीतिक मुद्दों से परेशान आम्बेडकर का स्वास्थ्य बिगड़ता चला गया। 6 दिसम्बर 1956 को आम्बेडकर की नींद में ही दिल्ली स्थित उनके घर मे मृत्यु हो गई। 7 दिसम्बर को बम्बई में चौपाटी समुद्र तट पर बौद्ध शैली मे उनका अंतिम संस्कार किया गया जिसमें उनके हजारों समर्थकों, कार्यकताओं और प्रशंसकों ने भाग लिया। 1990 में बाबासाहेब डा.आम्बेडकर को भारत रत्न से सम्मानित किया गया। सरकारों की उपेक्षा के चलते बाबा साहेब को भारत रत्न सम्मान बहुत देर से प्रदान किया गया। जिसके वे सबसें पहले हकदार थे।

आम्बेडकर के दिल्ली स्थित 26 अलीपुर रोड के उस घर में एक स्मारक स्थापित किया गया है जहां वो सांसद के रूप में रहते थे। देश भर में आम्बेडकर जयन्ती पर सार्वजनिक अवकाश रखा जाता है। अनेको सार्वजनिक संस्थानो का नाम उनके सम्मान में उनके नाम पर रखा गया है। आम्बेडकर का एक बड़ा चित्र भारतीय संसद भवन में लगाया गया है। बाबा साहब ने शिक्षित बनों, संगठित रहो तथा संघर्ष करो का नारा दिया था। शिक्षित बनने का अर्थ है कि हमारे ज्ञान के द्वार खुलते हैं और संगठित रहो का मतलब शक्ति प्राप्त करना हैं।

15-04-2025 ISN:Layout 1 4/15/2025 7:26 AM Page 7

आधुनिक तरीके से करें मिर्च की खेती

सब्जियों में मिर्च अपने तीखेपन के लिये जानी जाती है। लेकिन रतलाम जिले के ग्राम सिमलावदा निवासी किसान श्री कंवरा के लिये मिर्च की खेती कामयाबी का साधन बन गई।

रतलाम जिले के किसान कंवरा के परिवार के पास लगभग 160 बीघा जमीन है। उनका परिवार परम्परागत रूप से दो फसलों के साथ-साथ कुछ सब्जी भी अपने खेतों में भी लगा लिया करता था। खेतों में पानी अधिक लगने के कारण हमेशा उनके खेत में सिंचाई की दिक्कत बनी रहती थी। खेतों में कम उत्पादन के कारण उनका परिवार आर्थिक तंगी का सामना भी कर रहा था।

कुछ समय पहले सिमलावदा गाँव में उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने दौरा किया। गाँव के किसानों ने उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों के सामने सब्जी के उत्पादन में पानी अधिक लगने की बात रखी। उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने किसानों को सब्जी उत्पादन बढ़ाने के लिये सिंचाई के ड्रिप सिस्टम के बारे में बताया। अधिकारियों ने बताया कि ड्रिप सिस्टम से कम पानी में पूरे खेत की अच्छे तरीके से सिंचाई की जा सकती है। किसान कंवरा ने कृषि सलाह के अनुसार अपने खेत में ड्रिप सिस्टम की स्थापना की। उन्होंने दी गई सलाह के अनुसार 6 इंच ऊंची एक फीट चौड़ी बेड्स पूरे खेत में तैयार कर ली। उन्होंने अपने खेत में हाईब्रिड मिर्च के पौधे 40 से 60 सेंटीमीटर की दूरी पर रौपे। किसान कंवरा ने पूरे सीजन के दौरान उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों द्वारा दी गई सलाह को माना और सलाह अनुसार काम किया। आज उनके खेत में मिर्च उत्पादन काफी बढ़ गया और मिर्च की उन्नत किस्म उत्पादन के रूप में मिली।

किसान कंवरा बताते हैं ड्रिप संयंत्र लगने के पूर्व जहां उन्हें प्रति बीघा 9 क्विंटल ही लाल मिर्च का उत्पादन प्राप्त होता था वहीं अब प्रति बीघा लगभग 12 क्विंटल मिर्च का उत्पादन मिल रहा है। आज वे अपने खेत में 140 बीघा जमीन पर मिर्च लगा रहे हैं।

किसान कंवरा मानते हैं कि उद्यानिकी एवं कृषि विभाग की खेती-किसानी के संबंध में दी जा रही आधुनिक सलाह को माना जाये तो कृषि उत्पादन को काफी हद तक बढ़ाया जा सकता है। आज उनकी पहचान आसपास के गाँव में प्रगतिशील कृषक के रूप में होती है। सब्जी उत्पादन से मिली आर्थिक तरक्की से उनके परिवार के जीवन में बदलाव आया है। वे अब खेती-किसानी में और नई-नई तकनीकों का इस्तमाल कर रहे हैं।

फूलों की खेती फायदे का सौदा

देश में इन दिनों फूलों की वार्षिक घरेलू माँग 25 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से बढ़ रही है। भारत का अंतर्राष्ट्रीय फूल बाजार 90,000 करोड़ रुपये का है जो हर वर्ष बढ़ता ही जा रहा है। भारतीय बागवानी बोर्ड के अनुसार फूलों की खेती से संबंधित उत्पादों से कुल आय 205 करोड़ की है। जिसमें 105 करोड़ प्रंपरागत फूलों से है और 100 करोड़ आधुनिक फूलों से है। भारत में फूलों का निर्यात करने वाली 300 से अधिक इकाइयाँ है। राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड की रिपोर्ट के औंसर भारत में वर्ष 2007-08 में 160.7 हज़ार हेक्टेयर क्षेत्र में फूलों की खेती हुई है इस वर्ष छील्न के बाद भारत दूसरे नंबर पर है। आइये जाने भारत में उगने वाले प्रमुख फूलों की देखरेख के तरीके:

एन्थुरियम:

रोपाई: 30 गुणा 30 सेमी की दूरी पर तिकोनी जगह में। कटाई का चरण: छड़ का कड़ा होना, पर 1/3 से 3/4 फूल खिला होने पर।

पैदावार: 2 से 3 फूल हर पौधे से पहले साल में जो की बढ़कर 4 से 6 दूसरे साल और 6 से 8 तीसरे साल तक हो जाती है। गुलदस्ते में उम: 22 से 23 दिन

जरवेरा:

रोपाई: 35 गुणा 45 सेमी की दूरी पर। जनवरी, फ़रवरी बेहतर है जड़े के लिए और जून, जुलाई गर्मी के लिए।

कटाई का चरण: पंखुड़ियों के पूरा खुल जाने पर

पैदावार: 200 से 250 फूल प्रति वर्ग मीटर हर साल

गुलदस्ते में उम्र: 7 से 8 दिन

ऑरकिड

रोपाई: कटाई का चरण: जब फूल की आधी पंखुड़ीयाँ खुल चुकी हों

पैदावार: 2 से 3 छड़ प्रति पौधे से और 5 से 6 छड़ तीसरे साल से

गुलदस्ते में उम्र: 12 से 21 दिन किस्म के प्रकार पर निर्भर

टीयूब रोज (गुलाब)

रोपाई: फ़रवरी मार्च में मैदानी में, अप्रैल, मई में पहाड़ों पर। 20 से 25 सेमी की दूरी पर 5 से 7 सेमी के गढ्ढे में

पैदावार: 2 से 6 फूल हर पौधे से

गुलदस्ते में उम्र:6 से 8 दिन

गुलाब

रोपाई: अक्टूबर से अप्रैल की शुरुआत तक। 60 गुणा 60 सेमी की दूरी पर।

कटाई का चरण: एक दो पंखुड़ियों के खिलते ही।

पैदावार: 15 से 30 हर पौधे से।

गुलदस्ते मे उम्र: 4 से 7 दिन

मॉरीगोल्ड

रोपाई- साल के किसी भी समय 40 गुणा 40 सेमी

कटाई का चरण: पूरा आकर का होने पर

पैदावार: 11 से 18 टन / हेक्टेयर

गुलदस्ते में उम्र: 2 से 4 दिन

ग्लैदोलस

रोपाई: जुलाई या दिसंबर मे 30 गुणा 20 सेमी की दूरी और । सेमी गहरे गड्ढे में।

कटाई का चरण: पंखुड़ियों में रंग आने पर।

पैदावार: 10,000 से 15,000 छड़े। गुलदस्ते में उम्र: 14 से 21 दिन, 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तापमान में।

अब सूरज सा चमकेगा खेत

आपने भी कभी किसी हाइवे से गुज़रते हुए या ट्रेन में सफ़र करत हुए चमकते हुए सूरजमुखी के पीले फूलों के खेत को देखा होगा, ये नज़ारा आपकी आँखों को दो पल के लिए सुकून ज़रूर देता होगा, पहले यह फसल एक फूल के रूप में ही उगाई जाती थी, वनस्पति उत्पादक असोसिएशन के आँकड़ों के अनुसार हमरे देश में सूरजमुखी 38,8000 हेक्टेयर भूमि में उगाया जाता है। इसमें 40-50 प्रतिशत अच्छे किस्म का तेल होता है, सूरजमुखी का तेल पीले रंग का होता है तथा व्यंजनो को पकने में प्रयोग किया जाता है यह तेल हाइड्रोजिनेटेड तेल बनाने के काम भी आता है, इसके लिए तेल में 40-44 प्रतिशत अच्छी किस्म का प्रोटीन होता है।

इसकी खेती हल्की से भारी मिट्टी में सफलतापूर्वक की जा सकती है, लेकिन मध्यम किस्म की भूमि अधिक उपयुक्त रहती है मिट्टी का पीएच मान 6-5 से 8-5 इसकी सफल पैदावार के लिए उपयोगी होती है खेत से जल निकास का प्रबंध हों आवश्यक है, पिछली फसल की कतई के बाद मिट्टी पलटने वाले हाल से एक जुताई करें। बाद में अच्छे अंकुरन के लिए भूमि की दो से तीन बार जुताई करें। इसके बाद पाटा सुहागा लगाकर बुआई के लिए खेत तैयार करें।ध्यान रहे कि खेत में ढेले न रहें, सूरजमुखी की फसल को साल में तीन बार बोया जा सकता है। खरीफ मौसम में अधिक उपज हेतु इसकी बुआई अगस्त माह में करें, रबी में मध्य अक्टूबर से नवम्बर के प्रथम पखवाड़े तक व बसंत कालीन बुआई के लिए जनवरी से फ़रवरी अंत का समय उत्तम है।

एक हेक्टेयर की बुआई के लिए संकर किस्म का बीज 4-5 किलोग्राम, उनन्त किस्म का 10 किलोग्राम बीज पर्याप्त होता है। बीज को 4-6 घंटे तक पानी में भिगोना चाहिए उपर तैरने वाले थोथे बीजों को अलग निकाल देना चाहिए, भिगोये गये बीज को छाया में सूखा लें।

बीज जनित बीमारियों की रोकथाम एवं अच्छे अंकुरन के लिए बुआई से पूर्व बीज को 2-3 ग्राम थाईरम या कैप्टान प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई हाल द्वारा व चौव कर भी की जा सकती है, उन्नत क़िस्मों को क़तारों में 45 सेमी तथा संकर क़िस्मों को 60 सेमी की दूरी पर बोएँ तथा पौधे से पौधे की दूरी 20-30 सेमी रखें। बीज को भूमि की नामी अनुसार 3-5 सेमी गहरा बोएँ, बुआई के 15-20 दिन बाद घने पौधे उखाडकर पौधों के बीच निश्चित दूरी रखें।

बुआई के 15-20 दिन बाद खरपतवार निकाल दें इसी समय पौधों की छ्टयी कर पौधे से पौधे की दूरी सिर्फ़ आवश्यकता अनुसार करे तथा खरपतवरों को समय-समय पर नष्ट करें। रसायनों द्वारा कहरपतवरों के नियंत्रण हेतु एलकलोर 1-5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोलकर बुआई के एक दिन बाद च्चिड़काव करें या 750 ग्राम फ्लुफलोरेलीन प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोकर बुआई के एक दिन पहले खेत में छिड़काव कर अच्छी तरह मिट्टी में मिलाएँ। यदि अधिक बढ़ने वाली किस्म बोई जाती है तो फसल को गिरने से बचाने के लिए कलियाँ बनते समय पौधे पर मिट्टी चढ़ाएँ, बुआई से पूर्व 7-8 टन प्रति हेक्टेयर सड़ी हुई गोबर की खाद भूमि में डालकर अच्छी तरह मिलाएँ उर्वरकों का प्रयोग मिट्टी परीक्षण के आधार पर ही करें। यदि किसी कारणवश मिट्टी परीक्षण नही करवा पाते हो तो सिंचित फसल में 60-80 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फॉस्फोरस तथा 40 किलोग्राम पोटॅश 80-125 किलोग्राम उरिया, 130 किलोग्राम मूरेट ऑफ पोताश प्रति हेक्टेयर की दर से पूरी मात्रा बुआई करते समय बीज के नीचे क़तारों में डाले। फॉस्फोरस की मात्रा की सिंगल सुपर फॉसफेट द्वारा पूर्ति किए जाने पर वांच्छित मात्रा में गंधक की भी आपूर्ति हो जाती है जो कि तिलानी फसलों में तेल की मात्रा बढ़ता है फूल आने के समय सिचाई करना ज़रूरी होता है प्रथम सिचाई बुआई के एक माह बाद व अन्य सिचाई 20-25 दिन के अंतराल से आवश्यकतानुसार करे, फूल आने के समय एक हल्की सिचाई अवश्य करें। यदि वर्षा अच्छी हो जाए तो खरीफ मौसम की फसल को एक भी सिचाई की।

15-04-2025 ISN:Layout 1 4/15/2025 7:26 AM Page 8

धोनी अब संन्यास लेकर कमेंट्री करें : हेडन

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में रहे मैथ्यू हेडन ने कहा है कि विकेटकीपर-बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी को अब संन्यास लेकर कमेंट्री करनी चाहिये। हेडन ने कहा कि धोनी अब अपने करियर के अंतिम चरण में हैं। इसलिए उन्हें वास्तविकता को स्वीकार करना चाहिये। आईपीएल के इस सत्र में धोनी का प्रदर्शन अब तक उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है और वह एक भी मैच में बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। धोनी बल्लेबाज के लिए निचले क्रम पर भी उतरते हैं। इसके पीछे का कारण कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने ये बताया है कि धोनी का शरीर अब पहले जैसा नहीं है, वहीं हेडन का माना है कि धोनी को संन्यास के बाद कमेंट्री करनी चाहिये। इस पूर्व क्रिकेटर का माना है कि धोनी ने अब लय खो दी है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान धोनी के माता-पिता की मौजूदगी ने उनके संन्यास की अटकलें ते हुई थी पर ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। इसका कारण है कि धोनी को टीम ही नहीं छोड़ रही है। रुतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने से उन्हें उन्हें एक बार फिर कप्तानी संभालनी पड़ रही है। वहीं फ्लेमिंग ने कहा है कि धोनी अपने संन्यास पर फैसला स्वयं करेंगे। मुझे इस बारे में नहीं पता। मैं उनके साथ काम करके खुश हूं। वह अभी भी मजबूत हैं और खेल का आनंद ले रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम का ऐलान, पांच नए खिलाड़ियों को मिली जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने 26 अप्रैल से चार मई तक होने वाले ऑस्ट्रेलिया के दौरे के लिए सोमवार को 26 सदस्यीय महिला टीम की घोषणा की, जिसमें पांच नए खिलाड़ियों को पहली बार सीनियर टीम में शामिल किया गया है। भारत इस दौरे में कुल पांच मैच खेलेगा। वह पहले दो मैचों में ऑस्ट्रेलिया ए से भिड़ेगा और उसके बाद तीन मैच ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम से खेलेगा। सभी पांच मैच पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे।

यह दौरा जून में होने वाले एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के टीम के यूरोपीय चरण की तैयारी को देखते हुए काफी महत्वपूर्ण है। पांच खिलाड़ियों ज्योति सिंह, सुजाता कुजूर, अजमीना कुजूर, पूजा यादव और महिमा टेटे को पहली बार सीनियर टीम में शामिल किया गया है। टीम अनुभवी और नए खिलाड़ियों का मिश्रण है। टीम का नेतृत्व मिडफील्डर सलीमा टेटे करेंगी, जबकि अनुभवी फॉरवर्ड नवनीत कौर को उप कप्तान नियुक्त किया गया है।

अनुभवी सविता और युवा बिचू देवी खारीबाम गोलकीपर की जिम्मेदारी संभालेंगी जबकि रक्षा पंक्ति में ज्योति सिंह, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, सुजाता कुजूर, सुमन देवी थौदम, ज्योति, अजमीना कुजूर और साक्षी राणा शामिल हैं। मध्य पंक्ति की जिम्मेदारी कप्तान टेटे, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा, शर्मिला देवी, मनीषा चौहान, सुनेलिता टोप्पो, महिमा टेटे, पूजा यादव और लालरेम्सियामी पर होगी।

नवनीत कौर, दीपिका, रुताजा दादासो पिसल, मुमताज खान, बलजीत कौर, दीपिका सोरेंग और ब्यूटी डुंगडुंग अग्रिम पंक्ति की जिम्मेदारी संभालेंगी। बंसारी सोलंकी (गोलकीपर), अंजना डुंडुंग और लालथंटलुआंगी (डिफेंडर), साक्षी शुक्ला और खैदेम शिलेमा चानू (मिडफील्डर) तथा मोनिका टोप्पो और सोनम (फॉरवर्ड) को स्टैंडबाय खिलाड़ी के रूप में चुना गया है।

टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, 'हमने संतुलित टीम का चयन किया है जो अनुभव और युवा का अच्छा मिश्रण है। युवा खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं और सीनियर शिविर में अपना कौशल दिखाया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर की चुनौती का किस तरह से सामना करते हैं।'

अफ़ग़ान महिला क्रिकेटरों की सहायता के लिए विशेष टास्क फोर्स बनाएगी आईसीसी

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अब अफ़ग़ानिस्तान की विस्थापित महिला क्रिकेट क्रिकेटरों की सहायता के लिए आगे आई है। आईसीसी ने इन महिला क्रिकेटरों की सहायता और उनके विकास के लिए एक विशेष टास्क फोर्स बनाने की बात कही है। आईसीसी की इस पहल से इन महिला खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। इससे उनके खेल और व्यक्तिगत विकास में सहायता मिलेगी। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने सोशल मीडिया ये ये जानकारी दी है। शा ने कहा, 'मुझे आईसीसी की ओर से यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि हमने बीसीसीआई, इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के साथ मिलकर एक अहम फैसला लिया है। इसके तहत ही हम अफ़ग़ान महिला क्रिकेटरों को उनके क्रिकेट और विकास की यात्रा में सहायता देंगे।' आईसीसी के अनुसार यह टास्क फोर्स इस महिला क्रिकेटरों को न केवल आर्थिक सहायता देगी, बल्कि खिलाड़ियों को कोचिंग, प्रशिक्षण सुविधाओं के साथ ही मार्गदर्शन भी उपलब्ध करायेगी। इसके लिए आईसीसी एक विशेष कोष बनाएगा। ये सीधे तौर पर इन खिलाड़ियों को आर्थिक सहयोग प्रदान करेगा, जिससे ये विस्थापित महिला क्रिकेट अपना खेल जारी रख सकें। आईसीसी ने यह भी स्पष्ट किया कि इस टास्क फोर्स के ज़रिए इन खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं, कोचिंग प्रोग्राम और मानसिक रूप से मज़बूत बनने के लिए जरुरी सलाह भी दी जाएगी। अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान शासन के बाद महिला खिलाड़ियों पर रोक लगा दी गयी थी जिसके बाद इन खिलाड़ियों को देख छोड़कर भागना पड़ा था।

रोहित का लगातार रन नहीं बना पाना चिन्ताजनक : मांजरेकर

अहमदाबाद (एजेंसी)। पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने कहा है कि आगामी भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा लगातार रन नहीं बना पाना चिन्ताजनक हैं। भारतीय टीम आईपीएल के बाद इंग्लैंड दौरे पर भी जाना है उसको देखते हुए रोहित का फार्म हासिल करना जरुरी है। मांजरेकर ने कहा कि टेस्ट ओर टी20 प्रारुप अलग होता है पर इसके बाद भी रन बनने से खिलाड़ी की लय बनी रहती है और उसका मनोबला बढ़ा हुआ रहता है।

मांजरकेर ने कहा कि रोहित आईपीएल में भी अब तक रन नहीं बना पाये हैं। इससे साफ है कि अब हालात उनके नियंत्रण से बाहर होते जा रहे हैं। ऐसे में अब उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए पूरी ताकत लगाकर प्रयास करना होगा। हर सुबह अपना सब कुछ लगाना होगा तभी वह लय हासिल कर सकते हैं। वह आईपीएल के मैचों में सहज नहीं दिखे। मांजरेकर ने कहा, 'रोहित शर्मा एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं जिससे साफ है कि वह पहले वाले रोहित नहीं रहे। अब वह अपने करियर के उस जगह पर हैं जहां उन्हें हर सुबह अपना सब कुछ लगाना होगा। कड़ी ट्रेनिंग करनी होगी और फिटनेस के सर्वश्रेष्ठ स्तर पर पहुंचना होगा तभी वह कुछ कर पायें। वह अब भी अपनी नैसर्गिक प्रतिभा पर भरोसा कर रहे हैं जबकि अब वह नहीं रही।

वहीं पिछले दो मैच में रोहित की टीम मुम्बई के प्रदर्शन का आंकलन करते हुए मांजरेकर ने कहा, ' इस टीम से खेल रहे दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी रेयान रिकेल्टन को भारतीय पिचों पर ढलने में समय लगेगा। साथ ही कहा कि एबी डिविलियर्स और हेनरिक क्लासेन को छोड़कर बहुत कम दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों ने भारतीय पिचों पर सफलता हासिल की है इसलिए हमें उन्हें समय देना होगा। उन्होंने कहा, 'इसके अलावा तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव, रोबिन मिंज और कुछ अन्य खिलाड़ियों के साथ मिलकर बल्लेबाजी क्रम बनाते हैं। हालांकि मुझे लगता है कि यह अब भी पूरी तरह से विश्वसनीय नहीं है और उनमें से बहुत से खिलाड़ी ऐसी पिचों पर निर्भर करते हैं जहां गेंद बल्ले पर अच्छी तरह से आती है। ऐसे में इन खिलाड़ियों को परेशानी आ सकती है।

नाइटहुड से सम्मानित होने वाले 13 वें क्रिकेटर हैं एंडरसन

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर जेम्स एंडरसन को खेल के क्षेत्र में उनके सराहनीय योगदान के लिए देश के सबसे बड़े सम्मान नाइटहुड से सम्मानित किया गया है। एंडरसन इंग्लैंड की ओर से टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। एंडरसन ने अपने करियर में कुल 188 टेस्ट मैच खेले हैं। ये किसी तेज गेंदबाज द्वारा खेले गए टेस्ट मैचों की सबसे ज्यादा संख्या है। एंडरसन 13वें क्रिकेटर हैं जो खेल में योगदान देने के लिए नाइटहुड उपाधि से सम्मानित हुए हैं। अब तक ये सम्मान सर विली हेमिंग्स (1954), सर डिक हार्टले-(1958), सर एडगर फ्राय (1959), सर वॉरेन बर्ड (1961), सर क्लाइव लॉयड (1983), सर इयान बॉथम (2007), सर ज्योफ बॉब-(1999),सर जॉन रिकेट्स (2007),सर ग्रांट लॉब (2012), सर जॉन टोर्रे (2015), सर ब्रायन लारा (2019), सर माइकल क्लार्क (2020)। एंडरसन साल 2000 से यह सम्मान पाने वाले पांचवें खिलाड़ी हैं। उनसे पहले इयान बॉथम (2007), बॉयकाट (2019), कुक (2019) और स्ट्रॉस (2019) को यह सम्मान मिला था। जेम्स एंडरसन ने अपना अंतिम टेस्ट मैच जुलाई 2024 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ लॉर्ड्स में खेला था। मई 2003 में यहीं पर एंडरसन ने जिम्बॉब्वे के खिलाफ डेब्यू किया था। एंडरसन ने साल 2015 से ही सीमित ओवरों में नहीं खेला है। इसके बाद भी वह एकदिवसीय में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने टी20 में भी 18 विकेट लिए हैं और उनके नाम कुल 991 विकेट हैं। एंडरसन के अलावा पांच अन्य लोगों के लिए भी नाइटहुड सम्मान मिला है।

बस मौके का इंतजार था : मुंबई के खिलाफ आक्रामक अर्धशतक लगाकर बोले करूण नायर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के लिए आक्रामक अर्धशतक लगाकर दो सत्र बाद आईपीएल में वापसी करने वाले करूण नायर मानसिक रूप से अपना पहला मैच खेलने के लिये पूरी तरह से तैयार थे और उन्हें पता था कि कैसे खेलना है। जीत के लिये 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए करूण के 40 गेंद में 89 रन की मदद से दिल्ली ने शानदार शुरूआत की लेकिन बीच के ओवरों में लगातार विकेट गंवाकर 12 रन से मैच गंवा दिया।

एक ओवर में जसप्रीत बुमराह को दो छक्के लगाने का माद्दा बहुत बल्लेबाजों ने नहीं होता लेकिन करूण ने यह कर दिखाया। उनके इस प्रदर्शन का कारण घरेलू क्रिकेट का शानदार प्रदर्शन भी है जिसमें उन्होंने विदर्भ के लिए विभिन्न प्रारूपों में पिछले सत्र में 1870 रन बनाए।

टेस्ट मैच में तिहरा शतक जड़ चुके करूण ने मैच के बाद मीडिया से कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मुझे आईपीएल पहले खेल चुका होने के कारण आत्मविश्वास था। मुझे पता था कि कैसे खेलना है। मेरे लिए कुछ नया नहीं था। मेरे दिमाग में तैयारी पूरी थी। बस मौके का इंतजार था। कुछ गेंद खेलकर फिर लय में आने की बात थी।'

वर्ष 2022 में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे करूण ने पावरप्ले के दौरान पारंपरिक शॉट्स खेलने के बारे में कहा, 'मैं खुद से यही कह रहा था कि खुद को समय दो, आम शॉट खेलो और उसके बाद तेजी से खेल सकते हो। सब कुछ वैसे ही हुआ लेकिन अगर टीम जीत जाती तो अधिक खुशी होती।'

पिछले चार मैचों में मौका नहीं मिलने के बावजूद उन्हें यकीन था कि उन्हें मौका मिलेगा और इसके लिए वह मानसिक रूप से तैयार थे। उन्होंने कहा, 'फाफ (डु प्लेसी) नहीं खेल रहे थे। हमें पता था कि अगर कोई खिलाड़ी बाहर होता है तो उसकी जगह कौन खेलेगा। मानसिक तौर पर मैं तैयार था। मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है और मुझे पता है कि मैं खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं।'

बॉलीवुड का बुरा दौर खत्म होगा नए फिल्ममेकर लाएंगे बदलाव

तेलुगु एक्टर विजय देवरकोंडा ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की मौजूदा हालत पर खुलकर अपनी राय रखी है। जहां बॉलीवुड के बॉक्स ऑफिस नतीजे चिंता का विषय बने हुए हैं, वहीं साउथ सिनेमा का दबदबा लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बहस के बीच विजय का मानना है कि यह सब एक चक्र का हिस्सा है और जल्द ही हिंदी सिनेमा भी नए जोश के साथ वापसी करेगा।

यह सिर्फ एक चक्र है

बातचीत में कहा, साउथ फिल्म इंडस्ट्री का अभी शानदार दौर चल रहा है। लेकिन यह सिर्फ एक चक्र है। एक समय था जब आप हमें जानते भी नहीं थे। एक समय था जब इंडियन सिनेमा ने जबरदस्त पहचान बनाई थी और इंटरनेशनल ऑडियंस तक पहुंचा था। अब यह साउथ सिनेमा का समय है। 5 या 10 साल बाद फिर कुछ नया बदलाव आएगा। हिंदी सिनेमा को नया दौर मिलेगा विजय का मानना है कि हिंदी सिनेमा जल्द ही एक नया दौर देखेगा, जहां नए फिल्ममेकर इसे आगे ले जाएंगे। उन्होंने कहा, इस बदलाव से नए फिल्ममेकर निकलकर आएंगे, जो हिंदी सिनेमा को फिर से मजबूत बनाएंगे। बहुत जल्द हिंदी सिनेमा को नए डायरेक्टर और कहानीकार मिलेंगे, जो शायद मुंबई से बाहर के होंगे। मेरा मानना है कि वे हिंदी भाषी इलाकों से आएंगे और बिल्कुल अलग तरह की फिल्में बनाएंगे। उनकी स्टोरीटेलिंग साउथ से भी अलग होगी।

बाहुबली ने दी पहचान

विजय ने बाहुबली का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे एस. एस. राजामौली ने इस फिल्म के जरिए तेलुगु सिनेमा को ग्लोबल पहचान दिलाई। उन्होंने कहा, तेलुगु सिनेमा को बड़े ऑडियंस तक पहुंचने के लिए काफी स्ट्रगल करना पड़ा। जब एस. एस. राजामौली ने बाहुबली बनाई, तो उन्होंने ऐसे दो एक्टर्स पर भारी निवेश किया, जिन्हें हिंदी फिल्म इंडस्ट्री शायद जानती भी नहीं थी। अगर फिल्म न चलती, तो बहुत सारे करियर खत्म हो सकते थे। प्रोड्यूसर्स को बड़ा नुकसान होता और एक्टर्स ने 5 साल सिर्फ एक फिल्म के लिए दिए थे। यह सबके लिए बहुत बड़ा रिस्क था। लेकिन इस तरह की लड़ाई लड़नी पड़ती है। मुझे लगता है कि हिंदी सिनेमा भी अपनी राह ढूंढ लेगा। यह सब जिंदगी का हिस्सा है।

कौन है ऋतिक का फेवरेट को-स्टार?

ऋतिक रोशन को जल्द ही स्पाई थ्रिलर वॉर 2 में देखा जाएगा। वॉर 2 इस साल 14 अगस्त को रिलीज होने वाली है। फैंस इस सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान ऋतिक ने अपने वॉर 2 सह-कलाकार जूनियर एनटीआर की तारीफ की। जब उनसे पसंदीदा सह-कलाकार के बारे में पूछा गया तो ऋतिक ने जूनियर एनटीआर का नाम लिया, जिसके बाद फैंस ने जोरदार तालियां बजाईं। ऋतिक ने जूनियर एनटीआर को शानदार बताते हुए कहा कि वह एक बेहतरीन टीममेट हैं। वॉर 2 ऋतिक रोशन की 2019 की हिट फिल्म वॉर का सीक्वल है। यह यशराज फिल्म्स स्पाईवर्स का हिस्सा है, जो कई एक्शन फिल्मों को जोड़ता है।

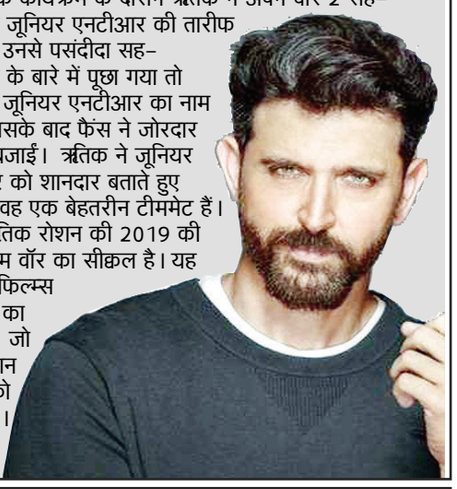

सोचता हूं कि अपने ही देश में डरकर क्यों जी रहा हूं, यहां ऐसे जीना खलता है

वेब सीरीज स्कैम 1994 में हर्षद मेहता के रूप में अपने अभिनय की चमक बिखेरने वाले ऐक्टर प्रतीक गांधी अब दो और महान हस्तियों को पर्दे पर जीने जा रहे हैं। इनमें एक तो हंसल मेहता की वेब सीरीज गांधी है, जिसमें वह महात्मा गांधी के रूप में दिखेंगे। वहीं, फिल्म फुले में वह महान समाज सुधारक ज्योतिबा फुले की भूमिका में हैं।

हैरत की बात है कि ज्योतिबा फुले जैसे महान समाज सुधारक पर पॉपुलर सिनेमा में इतने वक्त बाद फिल्म बन रही है? उनका किरदार निभाते हुए आपने उनके व्यक्तित्व से सीखा?

यह बहुत वाजिब सवाल है कि अब तक फिल्म क्यों नहीं बनी। वैसे, हैरानी तो इस बात पर भी होनी चाहिए की उन्होंने अपने जीवन का जो सबसे पहला स्कूल खोला था, वह इतनी जर्जर हालत में है कि देखकर लगेगा कि वह कभी भी टूट सकता है। किसी को यह विचार नहीं आया कि इस धरोहर को संभालकर रखना चाहिए। बहरहाल, मैंने तो बहुत सारी चीजें सीखीं। सबसे बड़ी बात जो मुझे लगी है वो यह कि आप सेल्फलेस होकर कैसे जी सकते हैं। उन्होंने अपने बारे में कभी नहीं सोचा। दूसरे, जो बात सच लगे उसके साथ बिना डरे खड़ा होना। मतलब, किसी चीज को पूरा समाज सही मानता है, मगर वो आपको गलत लगती है तो उसे गलत कहने की हिम्मत रखना। आज के समय में इसकी बहुत जरूरत है। अभी अहिंसा में कोई यकीन नहीं रखता। अभी तो कोई चीज बुरी लगी मतलब खत्म। मुझे यह सब देखकर बहुत दुख होता है। पता नहीं ये कैसे बदलेगा, मगर उम्मीद है कि एक दिन आएगा, जब सब अच्छा होगा।

फुले के अलावा, वेब सीरीज गांधी में आप महात्मा गांधी की भूमिका भी निभा रहे हैं। जबकि, गांधी पर इतनी नामी फिल्में बन चुकी हैं। आप लोग क्या नया दिखा रहे हैं? स्कैम 1994 के बाद हंसल मेहता संग दोबारा जुड़ने का अनुभव कैसा रहा?

यह सही है कि महात्मा गांधी पर कई फिल्में बहुत बनी हैं, मगर सीरीज पहली बार बनेगी। मेरे हिसाब से गांधी जी का जीवन सफर लॉन्ग फॉर्मेट में ही सबसे अच्छे से दर्शाया जा सकता है। इतनी बड़ा जीवन, इतना सारा काम है उनका। हमारा प्रयास गांधी जी के पूरे जीवन को शुरुआत से अंत तक दिखाने का है। हमने अभी पहला सीजन ही खत्म किया है, दो और सीजन अभी शुरू भी नहीं हुए हैं। रही बात हंसल सर के साथ काम करने की, तो वह बहुत मजेदार अनुभव रहा। हम बिना कुछ बोले भी एक दूसरे को समझ लेते हैं। उनके साथ मैं खुद को अच्छे से एक्सप्लोर कर पाता हूं, चैलेंज कर पाता हूं। उनकी स्टोरी टेलिंग मुझे वैसे ही बहुत पसंद है, जो बहुत नेचुरल है। यह मेरे जीवन का अब तक का सबसे बड़ा और सबसे मजेदार एक्सपीरियंस था।

ज्योतिबा फुले के साथ उनकी पत्नी सावित्री बाई फुले हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर चलीं। इस मामले में आपकी पत्नी भामिनी का आपके जीवन में कितना योगदान रहा?

बहुत बड़ा योगदान है। इतने सालों से मैं जो इतनी अलग-अलग चीजें कर पाया, वह उसके योगदान और सहारे के बिना नहीं हो सकता था। कई बार इतनी सारी चीजें एक साथ करने में आप सिर्फ भाग ही रहे हैं। हम बहुत कुछ अचीव करना चाहते है, उसमें कहीं न कहीं घर पीछे छूट जाता है। हम उतना समय नहीं दे पाते हैं। ऐसे समय में अपने जीवन साथी से आपको सिर्फ यही अपेक्षा रहती है कि वे आपको समझे और साथ दे। यह बहुत स्वार्थी सोच भी हो सकती है, मगर भामिनी ने उस वक्त में हंसते हुए मेरा साथ दिया और इतना इतना धैर्य रखा, जो बहुत बड़ी बात है। वरना हम यहां तक नहीं पहुंच पाते।

महात्मा ज्योतिबा फुले जैसे महान समाज सुधारक को पर्दे पर जीना कितनी बड़ी जिम्मेदारी थी? उनके किरदार में ढलने के लिए क्या तैयारी रही?

हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह थी कि हमें इतिहास को बिना बदले एकदम ईमानदार तरीके से उनकी बात आप तक पहुंचानी थी, क्योंकि वह सिर्फ एक व्यक्तित्व नहीं हैं। उन्हें समाज का एक पूरा वर्ग भगवान मानता है और सही कारणों से मानता है। हमारी कोशिश यह रही कि हम ना उन्हें किसी तरह से जज कर रहे हैं, न उन्हें अपने रंग में ढाल रहे हैं। हम सिर्फ उनकी बात आप तक पहुंचा रहे हैं। वहीं, बतौर ऐक्टर मेरी तैयारी का सबसे बड़ा पार्ट यह था कि मुझे उनके बारे में वे चीजें भी जाननी, समझनी थी, जो स्क्रिप्ट में नहीं लिखी थीं। मुझे उनके व्यक्तित्व को समझना था ताकि बिना कुछ बोले भी अगर स्क्रीन पर खड़ा हूं तो लोगों को लगे कि वे ज्योतिबा फुले को देख रहे हैं और यह सिर्फ बाहरी दिखावे, फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से या कपड़ों से नहीं संभव था। उस पर चुनौती ये थी कि उनको जानने-समझने के लिए हमारे पास न कोई विडियो थे, न उनके कोई ऑडियो थे। तस्वीरें भी जो हैं, वे सिर्फ पेंटिंग है। हमारे पास किताबों में लिखा मटीरिल ही था, जिससे राइटर-डायरेक्टर अनंत महादेवन ने पूरी स्क्रिप्ट तैयार की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक इशाकत अली खान द्वारा वत्स ऑफसेट मुद्दा हाउस सी ब्लाक बारात घर चौड़ा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा से मुद्रित कराकर, प्लॉट नं0 40, तृतीय तल अट्टा मार्केट सेक्टर 27 नोएडा से प्रकाशित किया। किसी भी वाद विवाद का निस्तारण क्षेत्र न्यायालय गौतमबुद्धनगर होगा। संपादकः—इशाकत अली खान, उप संपादकः— संगीता सिरोही मो0—9411009503, Email :- indianews.savdhan@gmail.com कानूनी सलाहकार :— वरिष्ठ एडवोकेट गजराज सिंह नागर, वरिष्ठ एडवोकेट राजीव चौधरी, एडवोकेट ऐतजाज खान।